दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें:9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 166 मुरादाबाद, 05 October 2023 (Thursday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

यूपी बंटवारे पर सियासी दंगल: बालियान को नहीं मिला अपनों का साथ; विपक्षी बने हमदर्द, इन बयानों से टेंशन में BJP

यूपी के बंटवारे की मांग लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है। जहां कई विपक्षी नेता मंत्री संजीव बालियान के समर्थन में उतर आए तो वहीं भाजपा नेता इस मुद्दे पर चुप्पी साधे बैठे हैं। अंतरराष्ट्रीय जाट संसद में दिए गए केंद्रीय पशुधन राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के बयान ने सियासी बवाल मचा रखा है। हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने की मांग पहले भी उठ चुकी है। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव को चौखट पर देख विपक्षी नेताओं ने बालियान के बयान का समर्थन करते हुए इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है। पश्चिमी यूपी के मेरठ (क्रांतिधरा) से उठा यह मुद्दा भाजपा के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर सकता है।वहीं, संजीव बालियान के बयान से जाट आरक्षण का मुद्दा फीका पड़ता दिखाई दे रहा है। इस बात के सियासी गलियारे में कई मायने निकाले जा रहे हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि उनका बयान पार्टी की कोई दूरगामी योजना तो नहीं है। हालांकि बालियान का कहना है कि यह उनकी निजी राय है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश बने। वैसे भी यह प्रदेश की जनता की मांग है। अलग राज्य की मांग पूरी करने का वक्त आया- मलूक नागर - बिजनौर के बसपा सांसद मलूक नागर ने कहा है कि 70 साल से लंबित चल रही पश्चिम उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने की मांग को पूरा करने का वक्त आ गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान ने पश्चिम उत्तर प्रदेश के अलग राज्य बनने की जो उम्मीद जताई है, केंद्र सरकार को संसद से उसे पारित कर देना चाहिए। अलग राज्य को हमारा पूर्ण समर्थन है। बसपा सांसद मलूक नागर ने बताया कि संसद में उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। वर्ष 1955 में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने उत्तर प्रदेश को तीन भागों में बांटने की पुरजोर वकालत की थी। वर्ष 1953 में दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री ब्रह्म प्रकाश ने पश्चिमी यूपी को दिल्ली में मिलने का सुझाव दिया था। चौधरी चरण सिंह और अजित सिंह भी राज्य के बंटवारे के पक्ष में थे। लोगों से धोखा कर रहे मंत्री - रालोद के राष्ट्रीय सचिव डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि संजीव बालियान जाट आरक्षण को भूल चुके हैं और जाट समाज को इस मांग से भटकाना चाहते हैं। केंद्रीय सेवाओं में आरक्षण दिलाया जाएगा। उनकी सरकार आरक्षण दिलाएगी

सिक्किम में अचानक आई बाढ़ से भारी तबाही, तीन की मौत; ऊफान पर तीस्ता नदी, अलर्ट जारी

सिक्किम में तीस्ता नदी का पानी बुधवार सुबह सिंगतम और रंगपो जैसे निचले इलाकों में घुस गया, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए। इसके अलावा तीस्ता नदी के बढ़ते पानी से प्रतिष्ठित इंद्रेनी पुल भी बह गया।सिक्किम में अचानक आई बाढ़ से संपत्तियों को बड़े पैमाने पर नुकसान होने की खबर है। उत्तरी सिक्किम में मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात कोई आई त्रासदी में अब तक तीन लोगों के मारे जाने की खबर आ रही है। इसमें भारतीय सेना के 23 जवानों के लापता होने और कई वाहन बह गए जानकारी के मुताबिक, उफनती तीस्ता नदी के कारण प्रमुख सड़कें और पुल बह गए हैं। इस बीच बादल फटने से राष्ट्रीय राजमार्ग-10 समेत प्रमुख सड़कें बह गईं हैं। बादल फटने के बाद सिक्किम में अधिकारियों ने अलर्ट जारी कर दिया है।इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री पीएस गोले ने सिंगतम में घटनास्थल का दौरा किया और हर मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने जिला प्रशासन और नागरिक समाज के लोगों से मुलाकात की। इस बीच युद्धस्तर पर राहत व बचाव कार्य शुरू की जा रही है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव एचके द्विवेदी ने कहा कि तीस्ता बैराज से तीन शव बरामद किए गए हैं। शवों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हमने निकासी का काम शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि कोई जनहानि नहीं होगी। कलिमपोंग के एक परिवार को हम बचाकर ले आए थे, लेकिन वे हमारे कैंप से वापस चले गए और फंस गए। हमने सेना की एक टुकड़ी भेजी है और वे उन्हें ढूंढने का प्रयास कर रही है। कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गईतीस्ता नदी का जल स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है। जानकारी के मुताबिक सिक्किम में लोनार्क झील के फटने से बुधवार को कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। बताया जा रहा है कि सिक्किम में निचले इलाकों और तीस्ता नदी के किनारे रहने वाले लोगों को अचानक बाढ़ की चेतावनी दी गई है।

लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

सिक्किम में तीस्ता नदी का पानी बुधवार सुबह सिंगतम और रंगपो जैसे निचले इलाकों में घुस गया, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए। इसके अलावा तीस्ता नदी के बढ़ते पानी से प्रतिष्ठित इंद्रेनी पुल भी बह गया। यह पूर्वी सिक्किम में सिंगतम को दक्षिण जिले को आदर्श गांव से जोड़ता है। दूसरी ओर सिक्किम में अधिकारियों ने डिक्कू, सिंगतम और रंगपो जैसे इलाकों के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है।सेना के 23 जवान लापता-` जानकारी के मुताबिक, लोनार्क झील में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित सिक्किम में तीन लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा भारतीय सेना के 23 जवान लापता बताए गए हैं। वाहनों के भी बहने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय सेना के 23 जवान सिक्किम के सिंगतम के पास बारदांग इलाके से लापता हो गए। लापता सैन्यकर्मियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

मुख्यमंत्री ने किया दौरा

दूसरी ओर सिक्किम के मुख्यमंत्री पीएस तमांग-गोले स्थिति का जायजा लेने के लिए सिंगतम पहुंचे। उन्होंने कहा कि हम सभी हमारे राज्य में आई हालिया प्राकृतिक आपदा से अवगत हैं। प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाएं तैनात कर दी गई हैं और नुकसान का आकलन करने और स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत करने के लिए मैंने व्यक्तिगत रूप से सिंगतम का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से सतर्क रहने और इस महत्वपूर्ण समय के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री पीएस तमांग ने कहा कि यह जरूरी है कि हम संयम बनाए रखें और अपने क्षेत्र में तेजी से सामान्य स्थिति लौटने की उम्मीद करें। सिक्किम में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ से संपत्तियों को बड़े पैमाने पर नुकसान होने की खबर है।

तीस्ता नदी का जल स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ रहा

उफनती तीस्ता नदी के कारण प्रमुख सड़कें और पुल बह गए हैं। तीस्ता नदी का जल स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है। सिक्किम में निचले इलाकों और तीस्ता नदी के किनारे रहने वाले लोगों को अचानक बाढ़ की चेतावनी दी गई है। सिक्किम में तीस्ता नदी का पानी बुधवार की सुबह सिंगतम और रंगपो जैसे निचले इलाकों में घुस गया, जिससे बाढ़ आ गई। बादल फटने से राष्ट्रीय राजमार्ग-10 समेत प्रमुख सड़कें बह गईं हैं। तीस्ता नदी में आई बाढ़ ने इंद्रेनी पुल को भी बहा दिया, जो पूर्वी सिक्किम में सिंगतम को दक्षिण जिले में आदर्श गांव से जोड़ता है। सिक्किम में अधिकारियों ने डिक्कू, सिंगतम और रंगपो जैसे इलाकों के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है।

BJP की सत्ता आने के बाद राज्य के हालात बदतर', कांग्रेस ने मणिपुर की हालात को लेकर PM पर दागे सवाल

कांग्रेस ने कहा कि पीएम मोदी ने राज्य में हालात बिगड़ने के कई दिनों बाद सिर्फ दिखावे के लिए उन्होंने 10 अगस्त को लोकसभा में 133 मिनट के भाषण में पांच मिनट से भी कम समय के लिए राज्य पर एक टिप्पणी करके औपचारिकता निभा दी। कांग्रेस ने मणिपुर की हालत को लेकर एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया। आरोप लगाया कि इससे पहले कभी किसी प्रधानमंत्री ने एक राज्य या उसके लोगों को इस तरह नहीं छोड़ा है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि 15 महीने पहले भाजपा के सत्ता में आने के बाद मणिपुर में ऐसी स्थिति का आना उसकी नीतियों और प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं को दिखाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पांच महीने पहले, तीन मई की शाम को तथाकथित डबल इंजन सरकार की विभाजनकारी राजनीति% के कारण मणिपुर में हिंसा भड़की थी। उन्होंने कहा कि लगभग एक महीने बाद, कर्नाटक चुनाव में अपनी जिम्मेदारियों को निभाकर और ऐसे अन्य जरूरी कार्यों से मुक्त होकर गृह मंत्री ने राज्य का दौरा करना उचित समझा। हालांकि, उनके दौरे से कोई सुधार नहीं हुआ बल्कि चीजें बद से बदतर हो गईं। रमेश ने कहा कि सामाजिक सद्भाव पूरी तरह से बिगड़ चुका है। हर दूसरे दिन हिंसक अपराधों की भयावह खबरें सामने आती हैं। हजारों लोग अब भी राहत शिविरों में रह रहे हैं। सशस्त्र बलों और राज्य पुलिस के बीच झड़प होना आम बात हो गई है।

उन्होंने कहा कि फिर भी प्रधानमंत्री इस मामले में पूरी तरह चुप हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राज्य में हालात बिगड़ने के काफी दिनों बाद उन्होंने सिर्फ दिखावे के लिए 10 अगस्त को लोकसभा में 133 मिनट के भाषण में पांच मिनट से भी कम समय के लिए राज्य पर एक टिप्पणी करके औपचारिकता निभा दी। उन्होंने कहा कि भाजपा के अधिकांश विधायक मुख्यमंत्री को पद से हटाना चाहते हैं। इसके बावजूद वह अपने पद पर बेशर्मी से बने हुए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर सवालों की बौछार की । उन्होंने कहा कि यह कुछ सवाल हैं, जिनपर विचार किया जाना चाहिए। 1. प्रधानमंत्री ने आखिरी बार मणिपुर का दौरा कब किया था?2. प्रधानमंत्री ने आखिरी बार मणिपुर के भाजपा मुख्यमंत्री से कब बात की थी? 3. आखिरी बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर के भाजपा विधायकों से कब मुलाकात की थी? 4. पिछली बार प्रधानमंत्री ने मणिपुर के अपने कैबिनेट सहयोगी के साथ राज्य पर चर्चा कब की थी? उन्होंने कहा कि इससे पहले कभी किसी प्रधानमंत्री ने किसी राज्य और उसके लोगों को इस तरह से नहीं छोड़ा, जैसा अब किया जा रहा है। रमेश ने आरोप लगाया कि मणिपुर में भाजपा को भारी जनादेश मिलने के करीब 15 महीने बाद ही राज्य में ऐसी भयावह स्थिति में खड़ी हो गई है। ये उसकी नीतियों और प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं पर सबसे बड़ा कलंक है।

एशियन गेम्स 2023: पैदल चाल स्पर्धा में सोनभद्र के रामबाबू और मंजू रानी की जोड़ी का कमाल, कांस्य पदक जीता

बहुअरा गांव के भैरवागांधी टोले में एक छोटे से खपरैल के मकान में रहने वाले रामबाबू पिछले साल अचानक से तब चर्चा में आए, जब उन्होंने गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों की पैदल चाल स्पर्धा में नए राष्ट्रीय रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया था। एशियन गेम्स से बुधवार की सुबह सोनभद्र के लिए अच्छी खबर आई। पैदल चाल की 35 किमी मिक्स्ड टीम स्पर्धा में सोनभद्र के रामबाबू ने मंजू रानी के साथ कांस्य पदक जीता है। रामबाबू के कामयाबी की खबर सुनते ही जिले में खुशी छा गई। मजदूर किसान के बेटे रामबाबू ने इससे पहले राष्ट्रीय खेलों में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। बहुअरा गांव के भैरवागांधी टोले में एक छोटे से खपरैल के मकान में रहने वाले रामबाबू पिछले साल अचानक से तब चर्चा में आए, जब उन्होंने गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों की पैदल चाल स्पर्धा में नए राष्ट्रीय रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया था।

उन्होंने 35 किमी की दूरी महज 2 घंटे 36 मिनट और 34 सेकेंड में पूरी की थी। इससे पहले यह रिकार्ड हरियाणा के मुहम्मद जुनैद के नाम था। राष्ट्रीय खेल में जुनैद को हराकर ही रामबाबू ने स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद 15 फरवरी को रांची में आयोजित राष्ट्रीय पैदल चाल चैंपियनशिप में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए 2 घंटे 31 मिनट 36 सेकेंड का समय निकाला। 25 मार्च को स्लोवाकिया में अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में प्रतिभाग करते हुए 2 घंटे 29 मिनट 56 सेकेंड में दूरी तय की। रामबाबू ने मधुपुर में पढ़ाई के दौरान ही एथलीट बनने का सपना देखा था। इसे पूरा करने के लिए उन्होंने गांव के कच्चे चकरोड पर अभ्यास शुरू कर किया। पिता छोटेलाल कृषि मजदूर के रूप में काम करते हुए बेटे को हरसंभव प्रोत्साहित करते रहे। कठिन परिश्रम से गांव के पगडंडी से निकल कर रामबाबू राष्ट्रीय फलक पर छाने में कामयाबी पाई।

यूपी का बंटवारा: पश्चिम को अलग राज्य बनाने की मांग पर मंत्रियों में असहमति, बोले- मिनी पाकिस्तान बन जाएगा

केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान की पश्चिमी यूपी को अलग राज्य बनाने की मांग केंद्रीय मंत्रियों में ही सहमति नहीं बन पा रही है। यूपी के मंत्री ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो पश्चिमी यूपी मिनी पाकिस्तान बन जाएगा। लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान ने पश्चिम यूपी को अलग राज्य बनाने की मांग कर नया मुद्दा खड़ा कर दिया है। हालांकि भाजपा की ओर से इस पर कोई बयान नहीं आया है। मगर इस मांग पर मोदी सरकार के अन्य मंत्री ही सहमत नहीं है। वहीं, भाजपा के सहयोगी दल भी इसके खिलाफ हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान ने पश्चिम यूपी को अलग राज्य बनाकर मेरठ को उसकी राजधानी बनाने की मांग उठाई है। बालियान की इस मांग को लेकर पार्टी के अंदर ही विरोध शुरू हो गया है। मंगलवार को लखनऊ में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने वीवीआईपी गेस्ट हाउस में मीडिया से बातचीत में कहा कि फिलहाल यूपी के बंटवारे की कोई आवश्यकता नहीं है। यह निर्णय केंद्र सरकार को करना है और केंद्र का ऐसा कोई विचार भी नहीं है। केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास राज्य मंत्री कौशल किशोर ने भी कहा कि यूपी का बंटवारा नहीं होना चाहिए। बालियान ने ऐसी मांग क्यों है, इसके बारे में वह ही बता सकते हैं। उधर, भाजपा के सहयोगी निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने भी इसका विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम को अलग राज्य बनाया गया तो वह मिनी पाकिस्तान बन जाएगा। भाजपा रही है छोटे राज्य की समर्थक- भाजपा हमेशा से ही छोटे राज्य की समर्थक रही है। एनडीए की सरकार के समय ही बिहार से अलग कर झारखंड, यूपी से अलग कर उत्तराखंड और मध्य प्रदेश से अलग कर छत्तीसगढ़ राज्य बनाया गया था। पहले भी उठी है तीन राज्य की मांग- यूपी की आबादी के लिहाज से इसे तीन राज्यों में बंटवारे की मांग पहले भी उठी है। इसमें उत्तर प्रदेश, पश्चिमांचल और पूर्वांचल राज्य बनाने की मांग उठी थी। मायावती ने दिया था चार राज्य बनाने का प्रस्ताव-बसपा सरकार के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने वर्ष 2011 में उत्तर प्रदेश को हरित प्रदेश, अवध, पूर्वांचल और बुंदेलखंड राज्य बनाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था।

संपादकीय Editorial

Electoral survey of castes

33 years after the recommendations of the Mandal Commission, another phase of 'caste politics' has started. By releasing the caste survey data, Bihar government has started a new debate on reservation for OBCs and extremely backward people. The Government of India has not yet conducted the national census of 2021. As a result, the 'official void' of data that is facing the country cannot be filled by the 'caste surveys' of the states. Apart from Bihar, states like Maharashtra, Tamil Nadu, Karnataka, Odisha and Rajasthan have also conducted such surveys. Odisha has also released the economic-social survey of backward castes. If caste surveys were not released and according to them justice could not be given to the development of backward castes, then the survey is meaningless. The maximum limit for caste reservation is fixed. After all, which castes can the government give reservation to? As a result these exercises are nothing but anarchy. Petitions challenging the caste survey of Bihar are currently pending in the Supreme Court. It is indeed 'unfortunate' to conduct the survey and announce its results even before the decision on constitutional validity is made. If the Supreme Court rejects this survey itself, then the political parties of Bihar cannot do anything instead of 'election babble'. In the survey, the population of Bihar is said to be more than 13 crores. The population of 53 castes in the state is less than one percent. That means the existence of communities like Sikh, Christian, Buddhist, Jain etc. is 'negligible'.

Yadavs have increased by more than 4 percent, Dalits by 5.5 percent and Muslims by more than 5 percent. The upper castes have decreased by more than 3 percent. However, what will the Bihar government do specifically on the basis of these findings? Chief Minister Nitish Kumar has postponed the answer to this question for the future. This survey cannot even be considered a social, economic and educational survey of Bihar. Bihar ranks second among the poorest states in the country. Lalu Yadav and his wife Rabri Devi have ruled Bihar as Chief Minister for 15 years. Even today his son Tejashwi Yadav is the Deputy Chief Minister of the state. Nitish Kumar has been the Chief Minister for almost 18 years. The development of backward castes was neither remembered nor were such surveys conducted. Bihar has very limited economic resources. When will plans be made for the deprived, Dalits, Mahadalits, backward, extremely backward and marginalized castes and their participation can be decided according to the population? In fact, the issue of caste census or survey has been raised these days by the opposition alliance parties. This survey is also election based. The extremely backward and OBC vote banks are associated with BJP during the Modi period. BJP got about 44 percent OBC votes in the 2019 general elections. The opposition wants to snatch this vote bank, hence this propaganda is also being done now that if the 'India' coalition government is formed in 2024, then caste census will be conducted at the national level. This experiment of Bihar will be propagated by the opposition in those states. , where there are BJP-ruled governments and caste surveys were not conducted. In Bihar, OBC is said to be 63 percent and extremely backward is 36 percent. Apart from Dalits, Chief Minister Nitish Kumar had also promoted 'Mahadalit' community in 2007. Nitish Kumar should also reveal what was done for 'Mahadalits' in these 16 years of power. The fate of the caste survey will also be more or less the same after the general elections of 2024, because the Nitish-Tejashwi government cannot do anything other than rhetoric. More or less, let us tell you that crores of people come in the group of reservation.

Bihar's caste census: Before Lok Sabha elections, Nitish's "electoral mathematics" is a new challenge for BJP..!

Shouldn't the country ask itself the question that when our tricolor reaches the moon, then the political parties should move away from politics based on caste and focus on the core problems of the country like poverty alleviation, eliminating gender inequality, raising the level of education. Should we focus on issues like creating employment opportunities, making new inventions, eliminating water crisis? The country has once again come to a new turning point, the way caste census was conducted in Bihar and its data was released. If so, it seems that caste politics will again become a new weapon for the parties. 75 years of independence have been completed and the government is talking about Amrit Kaal and Prime Minister Narendra Modi is repeatedly repeating the resolve to make a developed India by the year 2047. In such a situation, the question is being raised whether the country is ready to get off the track of development again and board the caste train. In fact, Narendra Modi's majority electoral success in 2014 and 2019 has once again created uneasiness among the opposition parties before the year 2024. It has shown that Narendra Modi can again come for the third term riding on the victory chariot in the year 2024. For the last nine and a half years, the opposition has been unsuccessfully trying to corner Prime Minister Narendra Modi on various issues, but recently Nitish Kumar and Lalu Prasad Yadav jointly brought out the new weapon of caste census from Bihar. Congress party is also vocal on this issue. The biggest leader of Congress, Rahul Gandhi is repeatedly reiterating that as much as one has, so much participation, but the question arises that when the world is strongly advocating to remove all types of discrimination and is taking it in the direction. If the government is trying to take it forward, will it be beneficial for the country by giving shares on the basis of caste? Is caste census a crisis for Modi government? At present the Supreme Court has imposed a capping of 50% on the reservation limit. Yet, in its last tenure, the Narendra Modi government gave 10 percent EWS reservation to the general category on economic grounds. If seen, reservation has increased from 50 to 60 percent and the unreserved category has remained only 40 percent. States like Tamil Nadu are giving reservation above 65 percent. The caste census data coming out from Bihar is definitely going to put the Modi government in trouble, because the caste census train started from Bihar is now going to travel to all the states. You will get to see many of its stops before the 2024 Lok Sabha elections. It is also possible that OBC castes will again return to the path of Mandal Commission and the country will move towards a big movement demanding increasing the limit of reservation. Then the same question, what will happen to development? Actually, the politics of the country is such that tickets are decided on the basis of castes. Leaders are made, otherwise what was the reason why Metro Main E. Sreedharan lost the elections in Kerala. Congress leader Rahul Gandhi recently distributed the secretaries in the Government of India on the basis of castes in the Parliament. Shouldn't these questions be raised? Shouldn't the country ask itself the question that when our tricolor reaches the moon, then we should move away from politics based on caste and focus on the country's core problems like poverty alleviation, eliminating gender inequality, raising the level of education, employment generation, etc. The focus should not be on issues like creating opportunities, making new inventions, eliminating water crisis. Shouldn't there be a review regarding reservation to find out which are the castes which come under the ambit of reservation, but they have not got the benefit of it even today? Only certain castes are continuously getting the benefit of reservation or those families which once availed the benefit of reservation, are continuously availing the benefit of reservation. Along with the caste census, information about the families who have taken benefit of reservation and the families who have not taken benefit should also be given. Besides, castes should also be counted on economic basis. The creamy layer should be determined strictly. Today, many such examples can be seen where a family is very prosperous, but is taking advantage of reservation in the name of caste. There will be a fresh demand for reservation on the basis of caste, but there is a need to focus more on those reserved families who have not yet been saved by reservation. All political parties need to sit and think about what limit should be kept for reservation, because merit is also important.

Flood situation in cities is worrying

The deadline for the Central Government's project to develop 100 'Smart Cities' in the country in June 2015 has now been extended till June 2024. But even after spending Rs 74,000 crore, the last rains showed that there is no possibility of cities being saved from drowning with just a little rain. This time Delhi drowned in the rains, Panaji situated on the seashore turned into a river, boats became impassable in the luxurious areas of Lucknow, cities like Shimla got disintegrated due to landslides and rains, Bhopal turned into a pond several times, and the condition of Ranchi also deteriorated. are. It was recorded in the Smart City project that the rivers and ponds of the cities would be revived but this was not seen happening anywhere. Recently, the devastation in Nagpur, the second capital of Maharashtra, showed that there was an outcry due to not being able to save its own water resources. Boats were hit on the roads there, four people were killed, some 10,000 houses were damaged. When the situation worsened, two army units had to be deployed. The departing rains revealed the smart city of Nagpur, which is actually an example. Just keep changing the names of the cities and the water resources there - you will get the same story of destruction. From Himachal to almost all parts of the country, the thin water streams coming from the mountains at high speed are called serpents. The foundation of Nagpur city was laid in the year 1703 by Bakht Buland Shah, the Gond king of Deogarh. His successor Chand Sultan built a three-mile long wall around the city on the banks of the Nag River. In the year 1743 it became the capital of Raghoji Rao Bhosale Empire. By the way, it is said that the old name of Nagpur was Fanipur and this is also the name of Nag or snake. The rulers here built many ponds in the water system of Nag River so that every drop of rain could be stored for the whole year. Due to the dense water resources here, the weather here was pleasant, that is why it was made the winter capital of the state. In the last three decades, migration from rural areas increased here, industrialization also took place and the water system of Nag River bore the brunt of this. There were massive encroachments and the ponds were turned into grounds. Nag river and its tributary Yellow river, Chamar drain etc. were made routes for carrying garbage. A year ago, the project of revitalization of Nag River was launched in the presence of Prime Minister Modi. Nagpur Municipality spent Rs 2117 crore on this project. After the flood in the city, the people of Nagpur are now asking where did this money go? Not only this, about Rs 1000 crore has been spent so far to make Nagpur a smart city. The city that became a river is now asking whether the rainy season is like this in a smart city? To understand the sinking of Nagpur, one has to understand the nature of the Nag River and its water system. During the Bhonsle rule, the Nag River determined the southern boundary of Nagpur city. Nawabpura and Juni Mangalwari in the eastern border, and Hansapuri and Lendi Talab in the north. The city extended up to Naik Pond. Sakkardara pond was a huge water reservoir of the city which quenched the thirst of the people. Nag river originates from the lava hills in the valley area on the Amravati route. On its way, Peeli and Paura rivers meet and diverge. Every drop of water from these rivers was exchanged with about 10 ponds. There used to be three rivers and 14 lakes in the water system of Nagpur. Apart from this, 854 public wells were also a part of the water system here. If we read the water horoscope of Nagpur, there should have been neither water crisis nor waterlogging here. The administration has admitted that two ponds have ceased to exist in 15 years and only 11 ponds are left in the city. Naik and Lendi ponds are now small ponds and Panditbodi pond is now just a name. All these ponds were connected to rivers. But encroachment and careless development did not take this traditional knowledge into account. Therefore, the reason for Nagpur sinking is being said to be the coming out of water from Ambazari and Gorewada ponds and the overflowing of Nag and Yellow rivers. If we look closely, it is the same story in every city. This flood is a serious warning for all the smart cities of the country. There is still time to recognize the old technology of convergence of small rivers of other cities or their natural routes and lakes like the Nag-Pili-Pohra river of Nagpur. Remove encroachments and allow uninterrupted flow of water, and also completely stop dumping garbage into water bodies. Without these, the roads or decorations of the smart city will not be useful, and there will be a big threat to the existence of the city. In the year 1743 it became the capital of Raghoji Rao Bhosale Empire. By the way, it is said that the old name of Nagpur was Fanipur and this is also the name of Nag or snake. The rulers here built many ponds in the water system of Nag River so that every drop of rain could be stored for the whole year. Due to the dense water resources here, the weather here was pleasant, that is why it was made the winter capital of the state. In the last three decades, migration from rural areas increased here, industrialization also took place and the water system of Nag River bore the brunt of this. There were massive encroachments and the ponds were turned into grounds. Nag river and its tributary Yellow river, Chamar drain etc. were made routes for carrying garbage. A year ago, the project of revitalization of Nag River was launched in the presence of Prime Minister Modi. Nagpur Municipality spent Rs 2117 crore on this project. After the flood in the city, the people of Nagpur are now asking where did this money go? Not only this, about Rs 1000 crore has been spent so far to make Nagpur a smart city. The city that became a river is now asking whether the rainy season is like this in a smart city? To understand the sinking of Nagpur, one has to understand the nature of the Nag River and its water system. During the Bhonsle rule, the Nag River determined the southern boundary of Nagpur city. Nawabpura and Juni Mangalwari in the eastern border, and Hansapuri and Lendi Talab in the north. The city extended up to Naik Pond. Sakkardara pond was a huge water reservoir of the city which quenched the thirst of the people. Nag river originates from the lava hills in the valley area on the Amravati route. On its way, Peeli and Paura rivers meet and diverge. Every drop of water from these rivers was exchanged with about 10 ponds. There used to be three rivers and 14 lakes in the water system of Nagpur. Apart from this, 854 public wells were also a part of the water system here. If we read the water horoscope of Nagpur, there should have been neither water crisis nor waterlogging here. The administration has admitted that two ponds have ceased to exist in 15 years and only 11 ponds are left in the city. Naik and Lendi ponds are now small ponds and Panditbodi pond is now just a name.

एयरपोर्ट पर हवाई जहाज से पहले ठगों ने भरी उड़ान, नौकरी के नाम पर युवकों से मोटी रकम वसूल रहे

मुरादाबाद-एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के मुताबिक कुछ बाहरी ठग स्थानीय लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। कई लोग फर्जी नियुक्ति पत्र लेकर एयरपोर्ट के गेट पर आ चुके हैं। मुरादाबाद एयरपोर्ट तो फिलहाल चालू नहीं हो पाया है लेकिन वहां नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी शुरू हो गई है। इसका पता तब चला जब एयरपोर्ट के गेट पर लोग फर्जी ज्वाइनिंग लेटर लेकर पहुंचने लगे। किसी का कहना था कि हमें एयरपोर्ट के अंदर खुलने जा रहे मॉल के मैनेजमेंट के लिए रखा गया है। जबकि कोई एयरपोर्ट पर कार्यालय सहायक की नौकरी पक्की मानकर ज्वाइन करने पहुंचा था। इन सभी लोगों ने नौकरी पाने के लिए मोटी रकम चुकाई है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के मुताबिक कुछ बाहरी ठग स्थानीय लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। कई लोग फर्जी नियुक्तिपत्र लेकर एयरपोर्ट के गेट पर आ चुके हैं। इस तरह कई लोग अब तक ठगी का शिकार हो चुके हैं। एएआई ने लोगों से अपील की है कि किसी के बहकावे में न आएं। जिला प्रशासन या एयरपोर्ट अथॉरिटी से पुष्टि करने के बाद ही एयरपोर्ट पर नौकरी के लिए आवेदन करें। फिलहाल हवाई अड्डे पर किसी भी प्रकार की नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं। 20 दिन पहले एयरपोर्ट के गेट पर कुछ युवक पहुंचे थे। उनका कहना था कि उन्हें एयरपोर्ट में मॉल व कानों के मैनेजमेंट के लिए रखा गया है। उन्होंने तमाम दस्तावेजों का हवाला भी दिया लेकिन हवाई अड्डे पर इस तरह की कोई भर्ती नहीं निकाली गई थी। एयरपोर्ट की टीम ने युवाओं को समझाया। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ। केस-2 चेक इन व अन्य व्यवस्थाएं बनाने के लिए नौकरी पक्की मानकर एक युवक हवाई अड्डे पर पहुंचा। उसने गेट पर बताया

कि किसी एविएशन सर्विस से उसे मुरादाबाद हवाई अड्डे पर नियुक्ति दी है। जबकि एयरपोर्ट की टीम को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। हवाई अड्डे पर अभी कोई नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं। कई बार युवाओं को गेट से लौटाया गया है। सभी से अपील है कि किसी के बहकावे में न आएं। एयरपोर्ट पर नौकरी के लिए आवेदन करने से पहले जिला प्रशासन या एएआई से इसकी पुष्टि कर लें। - संदीप कुमार, एयरपोर्ट डायरेक्टर। इसी सप्ताह मिल सकता है उड़ान का लाइसेंस- हवाई अड्डे पर डीजीसीए के निरीक्षण के बाद बताए गए सभी बिंदुओं पर काम पूरा हो गया है। एएआई के अधिकारियों ने सभी दस्तावेज पूरे कर लिए हैं। सभी बिंदुओं पर काम खत्म करने के बाद डीजीसीए को पत्र भी भेज दिया गया है। अब इसी सप्ताह उड़ान के लिए लाइसेंस मिलने की उम्मीद है। जानकारों का मानना है कि अक्तूबर में ही उद्घाटन की तिथि भी घोषित हो जाएगी। दिवाली से पहले मुरादाबाद से लोग हवाई सफर का आनंद ले सकेंगे। मुरादाबाद से शुरुआती उड़ान लखनऊ व कानपुर के लिए रहेगी। फिलहाल सड़क मार्ग से लखनऊ जाने में सात घंटे और रेल मार्ग से लखनऊ जाने में साढ़े पांच घंटे लगते हैं। जबकि वायु मार्ग से यह सफर महज एक से डेढ़ घंटे का रह जाएगा। जबकि कानपुर की दूरी दो घंटे में तय हो सकेगी। हालांकि किराये की सूची फिलहाल जारी नहीं हुई है लेकिन माना जा रहा है कि लगभग ट्रेन के किराये जितने रुपये खर्च कर उड़ान उपलब्ध हो सकेगी। एयरपोर्ट डायरेक्टर का कहना है कि डीजीसीए को पत्र भेजकर सारी स्थिति से अवगत करा दिया गया है। अब कोई बाधा नहीं बची है। जल्द ही सेवाएं शुरू करने के लिए लाइसेंस मिल सकता है। विमानन सेवाएं प्रदान करने के लिए बिग चार्टर कंपनी को चुना गया है।

जिलाधिकारी के ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण से हड़कंप, सफाई में कमी पर फटकार

मुरादाबाद-जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह ने सदर तहसील और कलेक्ट्रेट में अधिकारियों के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इससे हड़कंप मचा रहा। उन्होंने कलेक्ट्रेट में एडीएम वित्त, एडीएम सिटी, असलहा अनुभाग आदि के निरीक्षण में जन सामान्य की शिकायतों को प्रभावी रूप से निस्तारण और अभिलेखों के रखरखाव के साथ कार्यालयों व परिसर में सफाई व्यवस्था में कमी पर नाराजगी जताई।

जिलाधिकारी ने सदर तहसील में उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार कार्यालय के विभिन्न पटलों को देखा। कर्मचारी उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने वहां आए लोगों की समस्या सुनकर अधिकारियों को निस्तारित करने का निर्देश दिया। रजिस्ट्रार कानूनगो कक्ष में राजस्व निरीक्षक के पटल पर रखे रजिस्टर को देखा। पूछा कि वरासत के कितने प्रकरण आते हैं। बताया गया कि यह रजिस्टर न तो प्रमाणित है और न ही इसकी पेजिंग की गई है। जिस पर वह नाराज हुए।

तहसीलदार से स्पष्टीकरण मांगा। वीआरसी में गंदगी मिलने और तहसील परिसर में झाड़ियां, कूड़ा पड़ा होने पर फटकार लगाकर सफाई कराने का निर्देश दिया। इसी दौरान जिलाधिकारी की नजर एक पत्र पर गई जिसमें एक सप्ताह के अंदर जांच कर आख्या उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था लेकिन अब तक कोई कार्रवाई न होने पर तहसीलदार को फटकार लगाई। जल्द कार्रवाई करने के लिए कहा।इसी क्रम में जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में अपर जिलाधिकारी नगर, अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व, असलहा कार्यालय, पुस्तकालय और अधिकारियों के न्यायालय कक्ष जिसमें न्यायालय उप संचालक चकबंदी, राजस्व अभिलेखागार का औचक निरीक्षण किया। संयुक्त अभिलेखागार में निरीक्षण के दौरान पटल सहायक को अभिलेख के सही रखरखाव के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट परिसर में सुलभ शौचालय में गंदगी मिलने पर नाजिर सदर को सफाई व्यवस्था में सुधार कराने के लिए कहा।

डेंगू और बुखार से तीन लोगों की मौत, 42 नए मरीज मिले, जान जाने का सिलसिला बढ़ता जा रहा

मुरादाबाद-मुरादाबाद जिले में बुखार और डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार बढोत्तरी हो रही है। इससे प्रभाव से लोगों की लगातार जान भी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि गांवों में लगातार शिविर लगाए जा रहे हैं। मुरादाबाद जिले में डेंगू व बुखार से होने वाली मौतों को रोकने में स्वास्थ्य विभाग नाकाम साबित हो रहा है। मंगलवार को बिलारी के मोहल्ला ठाकुरान में इमामबाड़ा चौक निवासी वृद्ध शाहिद हुसैन (62) की बुखार से मौत हो गई। वह एक होटल में कारीगर थे। परिजनों के मुताबिक तीन दिन पहले उन्हें बुखार आया था। शाहिद को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार रात तबीयत में सुधार होने पर परिजन उन्हें घर ले गए, लेकिन मंगलवार को तबीयत बिगड़ी और उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके अलावा कुंदरकी के गांव तख्तपुर हाशा और बघी गोवर्धनपुर में डेंगू से दो लोगों की मौत हुई है। तख्तपुर हाशा निवासी प्रद्युम्न पाल (16) कक्षा 12 का छात्र था। पिता रामबहादुर पाल ने बताया कि बेटे को सात दिन से बुखार था। स्थानीय डॉक्टर से इलाज कराया लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। बेहतर इलाज लिए उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां प्रद्युम्न के खून की जांच कराने पर डेंगू की पुष्टि हुई। यहां भी स्थिति नहीं सुधरी तो परिजन उसे ऋषिकेश एम्स ले गए, वहां किशोर ने दम तोड़ दिया। दूसरी ओर, बघी गोवर्धनपुर में डेंगू पीड़ित धान सिंह सैनी (30) की मुरादाबाद के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। धान सिंह को पांच दिन से बुखार था। कुछ दिनों तक झोलाछाप से इलाज चला। इसके बाद परिजनों ने मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रद्युम्न अपनी तीन बहनों का इकलौता भाई था। जिले में अब तक डेंगू के 640 मरीज- मंगलवार को जिले में डेंगू के 42 नए मरीज मिले। अब तक मिले मरीजों की संख्या 630 हो गई है। नए मरीजों में शहर के गोविंद नगर, बलदेवपुरी, ग्रामीण इलाकों में छजलैट, बिलारी, कुंदरकी निवासी लोग शामिल हैं। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव का कहना है कि मंगलवार को बिलारी, डिलारी, मूंढापांडे, ठाकुरद्वारा, भोजपुर, कुंदरकी व मुरादाबाद में 1600 से ज्यादा लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बुखार के मरीजों की डंगू व मलेरिया जांच के लिए सैंपल लिए गए। इनमें से किसी की रिपोर्ट पॉजीटिव नहीं मिली। डॉ. प्रवीण का कहना है कि यदि किसी को डेंगू या मलेरिया के लक्षण हैं तो हेल्पलाइन नंबर 0591-2411224 पर सूचना दे सकता है।

हिमांशु हत्या केस में दूसरा आरोपी गिरफ्तार, शराब पिलाकर किया था मर्डर फिर रेलवे ट्रैक पर फेंका शव

मुरादाबाद-हिमांशु के मर्डर में दूसरा आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि हिमांशू को शराब पिलाकर मर्डर करने के बाद उसका शव किला के शमशान भूमि फाटक के रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया था। बता दें, थाना सुभाषनगर के मढ़ीनाथ यादव वाली गली में रहने वाले हिमांशु का 22 सितंबर को किला रेवले क्रांसिग के पास पुलिस को शव मिला था। इस मामले में किला पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए मंगलवार को एक आरोपी शिवेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आज दूसरे आरोपी राहुल को आज गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में राहुल ने बताया कि उसके घर हिमांशु का आना-जाना था, जिसे वह नापसंद करता था। इसलिए उसने उसे रास्ते से हटाने का फैसला कर लिया। 21 सितंबर की रात उसे शराब पिलाकर वह लोग किला क्षेत्र में रेलवे क्रांसिग के पास ले गए और उसने गला दवा कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया।

पांच हजार की रिश्वत लेते अमीन गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ दबोचा

मुरादाबाद-बरेली एंटी करप्शन टीम ने पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ अमीन को गिरफ्तार किया है। अमीन तहसील कार्यालय में बिजली की आरसी की तारीख बढ़ाने के लिए रिश्वत मांग रहा था। अमीन को कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एंटी करप्शन के प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सान्याल ने बताया

किला थाना क्षेत्र में मोहल्ला पंजाबपुरा के रहने वाले मोहम्मद याकूब खान के खिलाफ तहसील से बिजली की आरसी जारी हुई थी। आरसी तहसील में तैनात रामजी शरण को मिली थी। आरोप है जिसके बाद से अमीन कार्रवाई का खौफ दिखाकर याकूब से रिश्वत मांग रहा था। अमीन ने आरसी की तारीख बढ़ाने के नाम पर रिश्वत मांगी थी। इस मामले में याकूब ने प्रभारी निरीक्षक से इसकी शिकायत की थी। इसके बाद एंटी करप्शन टीम गठित की गई। आज मोहम्मद याकूब खान सुबह अमीन रामजी शरण को रिश्वत देने के लिए पहुंचे थे। मोहम्मद याकूब खान ने जैसे ही अमीन को पांच हजार की रिश्वत दी एंटी करप्शन टीम ने रंगे हाथ दबोच लिया।

बरेली का गजेटियर तैयार कराने को जिला समिति गठित, पांच को पहली बैठक

मुरादाबाद-बरेली जिले के गजेटियर को नए सिरे से हिंदी भाषा में बनाने के लिए जिला प्रशासन ने पहला कदम बढ़ा दिया है। जिला गजेटियर समिति गठित कर दी गई है। समिति में वरिष्ठ इतिहासकार सुधीर विद्यार्थी के साथ अपर जिला सत्र एवं न्यायाधीश कुमार मयंक भी शामिल किए गए हैं। जिलाधिकारी अध्यक्ष और सीडीओ जग प्रवेश सचिव बने हैं। गजेटियर की रूपरेखा तैयार करने के लिए समिति की पहली बैठक की तारीख तय कर दी गई है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संतोष बहादुर सिंह की ओर से 29 सितंबर को ही समिति में सदस्य के रूप में शामिल अधिकारियों और वरिष्ठ लेखक सुधीर विद्यार्थी समेत अन्य को चिट्ठी भेज 5 अक्टूबर की शाम करीब 4 बजे से कलेक्ट्रेट में होने वाली बैठक के लिए आमंत्रित किया है। बैठक में गजेटियर में शामिल किए जाने वाले विषयों को लेकर चर्चा होगी। दरअसल, अभी बरेली जिले का गजेटियर अंग्रेजों के समय का बना हुआ है। आजादी के बाद पहली बार बरेली समेत राज्य के सभी जिलों का गजेटियर नए सिरे से बनाने की कवायद शुरू की गई है। बरेली के नए गजेटियर में जिले के इतिहास, भूगोल, जलवायु, अवस्थिति, वर्षा, जनसंख्या, साक्षरता, उद्योग-धंधों, आर्थिक गतिविधियों, नगरों, जातियों, भाषा-साहित्य, संस्कृति आदि विषयों का आंकड़ों सहित उल्लेख किया जाएगा। 28 अगस्त को विशेष सचिव राजस्व अनुभाग ने जिलाधिकारी को नया गजेटियर बनाने के लिए चिट्ठी जारी की थी।

बाइक सवार को मारी अज्ञात वाहन ने टक्कर, इलाज के दौरान मौत

मुरादाबाद-स्प्रे मशीन देकर वापस लौट रहे बाइक सवार युवक को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी । जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई। इसकी जानकारी राहगीरों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम गया। थाना देवरनिया के गांव शेरा की गौटिया का रहने वाला 25 वर्षीय सुरेंद्र पुत्र रामपाल के भाई अजय ने बताया कल देर रात खेत में स्प्रे कर कर बाइक से स्प्रे मशीन देने के बाद वसुंधरा गांव से वापस आ रहे थे ।तभी रास्ते में गांव के पास पेट्रोल पंप के सामने किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए । राहगीरों द्वारा इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल उपचार के लिए भेजा। जहां इलाज के दौरान सुरेंद्र ने देर रात दम तोड़ दिया। सुरेंद्र की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। सुरेंद्र की पत्नी शशि का रो-रो कर बुरा हाल है। सुरेंद्र खेती-बाड़ी कर कर अपने घर का पालन पोषण करता था और उसकी शादी 2019 में हुई थी।

सुपर जोइनिंग वीक

उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live

आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से

रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की

12 पेज का फुल अखबार

एक बार कॉल अवश्य करें

9027776991

प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

गाजियाबाद में नौकरानी बनकर आई और बहू बनकर 200 करोड़ की संपत्ति के लिए रचाई सातवीं शादी

क्यूँ न लिखूँ सच
मीरा कौशिक

गाजियाबाद मुरादनगर स्थित कारोबारी के परिवार की संपत्ति को हड़पने के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जबकि अभी तीन फरार हैं इस कारोबारी के घर महिला नौकरानी बनकर आई और मालकिन बनकर रहने लगी मामले में नया मोड़ तब आया जब 200 करोड़ की संपत्ति हड़पने का राज फांस हुआ क्या है पूरा मामला-200 करोड़ की संपत्ति की मालकिन बनने के लिए सचिन ने अपनी भांजी के साथ मिलकर फुल प्रूफ प्लान बनाया जिसमें सचिन की बहन भी शामिल थी सचिन ने यूआईएमटी कॉलेज की चांसलर सुधा सिंह के घर आना जाना शुरू कर दिया और उसे घरेलू तालुकात बनाए इसके बाद उसने सुधा की प्रॉपर्टी हड़पने को एक प्लान बनाया बता दे की सुधा सिंह के बड़े बेटे की मृत्यु कुछ साल पहले एक दुर्घटना में हो गई थी छोटा बेटा मंदबुद्धि विकलांग है सुधा की एक बेटी की शादी पहले हो चुकी है 200 करोड़ की मालिक सुधा सिंह कुछ दिन पहले अमरोहा से अपने छोटे बेटे की शादी की तब उसकी पत्नी को पता चला कि उसका पति मंदबुद्धि है तो वह उसे छोड़कर चली गई ऐसे रची साजिश सुधा सिंह खुद भी कैंसर से पीड़ित है और अपने बेटे को लेकर हमेशा चिंतित रहती थी इसी का फायदा उठाकर सचिन ने सुधा के आगे

प्रस्ताव रखा की शादी के लिए सुयोग्य वधू तलाश करेगा उसके बाद उसने अपनी भांजी प्रीति को नौकरानी बनाकर भेज दिया प्रीति और सचिन जानते थे कि सुधा सिंह कैंसर से पीड़ित है और स्टेज 3 है वह कुछ ही दिनों तक जीवित रह सकेगी प्रीति हरियाणा के पानीपत में रहने वाली है सचिन ने प्रीति को सुधा सिंह के यहां मेड का कार्य बताया सचिन ने सुधा सिंह को यहां नौकरानी बनाकर भेज दिया जब सुधा सिंह की तबीयत बिगड़ गई तब उसने प्रीति और सुधा सिंह के बेटे को साथ शादी करवा दी *आकांक्षा सिंह ने बिगाड़ दिया खेल*सुधा सिंह की मृत्यु के बाद प्रीति एवं उसके परिवार वालों ने घर पर कब्जा कर लिया इसके बाद सुधा सिंह की बेटी आकांक्षा सिंह ने कहा कि हमें अब नौकरानी की जरूरत नहीं है तुम जाओ यहां से तो वह बोली मैं नौकरानी नहीं इस घर की बहू हूं उसने एक फोटो दिखाया जिसमें वह और उसका मंदबुद्धि भाई माला पहने हुए हैं आकांक्षा सिंह ने प्रीति को घर से निकलने की कोशिश की पर उसने पुलिस बुला ली परेशान होकर आकांक्षा सिंह ने पुलिस कमिश्नर को इस मामले की शिकायत की मुरादनगर थाना पुलिस को जांच करने के आदेश दिए गए प्रीति पर दर्ज हैं आधा दर्जन मुकदमे-पुलिस जांच से पता चला कि प्रीति पहले से भी कई अन्य लोगों से शादी करके उनका धोखाधड़ी कर चुकी है इस प्रकार एक और मामला सामने आया जब प्रीति ने एक सरकारी अधिकारी के साथ प्यार का नाटक किया और उसे पर शादी का दबाव बनाकर 30 लाख डिमांड रखी जबकि अधिकारी ने प्रीति को 20 लाख देकर पीछा छुड़ाया मोदीनगर पुलिस की जांच में सामने आया कि प्रीति इस प्रकार के आधा दर्जन मुकदमे में दर्ज है अब तक इस मुकदमे की जांच चल रही है

एसडीओपी उदित मिश्रा ने अनुराग अवस्थी जी को दी विदाई अनुराग जी के उज्जवल भविष्य की कामना प्रमोशन होकर पुन: रीवा आने के लिए दिए आशीर्वाद

क्यूँ न लिखूँ सच

रीवा ,थाना जनेह के थाना प्रभारी अनुराग अवस्थी जी आज डेढ़ वर्ष से दे रहे हैं अपनी सेवाएं थाना जनेह में आज उनके विदाई समारोह मैं क्षेत्र के महानुभाव लोग उपस्थित हुए इस दौरान त्योंथर के एसडीओपी उदित मिश्रा भी उपस्थित हुए एवं स्वास्थ्य जी के उज्जवल भविष्य की कामना की और बताया कि आपने एक थाना प्रभारी ही नहीं आप एक हमारे दाहिने अंग थे आज आपके जाने का दुख मुझे बहुत सता रहा है परंतु आपकी मजबूरी को ध्यान में रखते हुए जाना भी उचित है मैं मां जगत जननी जगदंबा से आग्रह करूंगा कि आपका प्रमोशन हो जाए उसके बाद आप रीवा जिले के त्योंथर में आए त्योंथर की जनता आपके स्नेह और प्रेम का इंतजार करेगी आपका कार्य बहुत ही सराहनीय रहा आप एक पुलिस अधिकारी के साथ-साथ एक जनता के हितैषी बनाकर अपने फील्ड में जो नाम कमाया है वह बहुत ही सराहनीय है क्योंकि पुलिस विभाग से लोग डरते हैं पर आपसे लोग प्रेम करते हैं तो कहीं ना कहीं आप में जनता के प्रति लगाव है जिसका फल आज आपको मिल रहा है हमने कई जगह देखा की पुलिस के ट्रांसफर विदाई में बस स्टॉप ही रहते हैं परंतु आपके ट्रांसफर के विदाई में क्षेत्र के सैकड़ो लोग उपस्थित हुए कहीं ना कहीं यह आपकी मेहनत की कमाई है और आपका स्नेह प्रेम लोगों के प्रति जो था उसी का आज फल मिल रहा है की आपसे मिलने क्षेत्र के सभी लोग आ रहे हैं आपका जीवन सदैव खुशियों से भरा रहे परंतु यहां के लोगों को बुलाना मत आप कभी क्योंकि यहां की जनता का प्रेम आपको कहीं नहीं मिलेगा थाना जनेह के समस्त स्टाफ आपका तहे दिल से स्वागत करता है मिश्रा मुंशी जी का सराहनीय कार्य आपके प्रति रहा ओमप्रकाश जी का आपके प्रति एक विशेष लगाव रहा पांडे जी भी आपके हृदयांसिक कर्मचारी है इनका भी लगाओ आपसे बहुत था एवं क्षेत्र के लोगों ने अपना अमूल समय निकालकर आपके दर्शन के लिए पहुंचे फिर आप यह मुलाकात ना जाने कब और कहां होगी राजेंद्र सिंह भी आपकी बहुत शुभचिंतक थे आपके लिए वह सदैव समर्पित रहते थे ऐसे समर्पित भाव व्यक्तियों के प्रति आपका इसने प्रेम सदैव बना रहे आलोक मिश्रा द्वारा एक पीली साल और श्रीफल देकर आदरणीय अनुराग अवस्थी जी को मिलन समारोह के रूप में एक छोटा सा गिफ्ट दिए बोले मैं आपको देने के लायक तो कुछ नहीं हूं परंतु यह प्रेम जो है आपके जाने के लिए नहीं कह रहा है आपके जाने से मन बहुत दुखी है बस ऐसे ही स्नेह प्रेम बनाए रखिएगा हम सभी लोगों के ऊपर बस मैं यही कामना करता हूं एसडीओपी उदित मिश्रा त्योंथर, रीवा

जलेसर के कोसमा में आज आएंगे प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -जलेसर आचार्य विमल सागर की जन्मस्थली अतिशय क्षेत्र कोसमा में आचार्य श्री के 108 वे जन्मदिवस के अवसर पर वात्सल्य आरोग्यधाम में नेत्र परीक्षण एवं शल्य चिकित्सा कर चुका लोकार्पण करने के लिए 5 अक्टूबर को प्रात: 11.00 बजे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक आएंगे

निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर प्रभारी शांतिलाल जैन ग्वालियर वालों ने बताया कि प्रात: 7.30 बजे गुरुदेव की जन्मस्थली की प्रभात फेरी की जाएगी 9.30 बजे ध्वजारोहण 11.00 प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के द्वारा वत्सल आरोग्यधाम में बनी ऑपरेशन हेतु ओटी का लोकार्पण करेंगे एवं स्वास्थ शिविर में मौजूद लाभार्थियों को संबोधित करेंगे,

रारपट्टी गांव के डेंगू पीड़ितो की जुबानी, संचारी रोग अभियान के सच का बताएगी कहानी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - रारपट्टी गांव के डेंगू पीड़ितो की जुबानी, संचारी रोग अभियान के सच का बताएगी कहानी। पिछले एक हफ्ते से दर्जनों मरीज डेंगू की चपेट में, स्वास्थ्य विभाग है बेखबर। डेंगू पीड़ित ज्यादातर झोलाछाप डॉक्टरों का सहारा ले रहे हैं- ग्रामीणजन एटा जैसा कि शासन के निर्देशानुसार जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान 03 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। लेकिन शासन और प्रशासन द्वारा लोगों को जागरूकता करने की सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही है। थाना देहात कोतवाली क्षेत्र में लगने वाले रारपट्टी गांव में पिछले एक हफ्ते से संचारी रोग डेंगू ने अपने पांव पसार रखें है। इसकी जानकारी ना स्वास्थ्य विभाग को है और ना ही स्वास्थ्य विभाग की जागरूकता फैलाने वाले टीम को। ग्रामीणों की माने तो दर्जनों लोग इस डेंगू की चपेट

में आ जाने से गांव की स्थिति भया-भय की स्थिति बनी हुई है। डेंगू ने गांव में इस प्रकार से अपने पैर जमा रखे हैं कि लोगों के मन में डेंगू को लेकर डर बना हुआ है। गांव में एक परिवार में तो सभी सदस्य डेंगू से पीड़ित है, गांव में स्वास्थ्य विभाग की कोई टीम नहीं पहुंच रही। और ना ही स्वास्थ्य विभाग की तरफ से और ना ही ग्राम पंचायत की तरफ से भी किसी प्रकार का कोई भी डेंगू रोधी छिड़काव नहीं हो रहा है।सभी मरीज व्यक्तिगत रूप से अपना इलाज कर रहे हैं।जो सक्षम है वह जिले से बाहर और जो गरीब तबके का है वह झोलाछाप डॉक्टरों का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में यदि कोई जनहानि होती है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

करौंदिया पंचायत में बिना कार्य कराएं ही पैसा निकाल लिया गया ,जो हुआ बो भी बेकार

क्यूँ न लिखूँ सच
मानस मिश्रा

जिला पंचायत सिंगरौली के जनपद पंचायत चितरंगी अंर्तगत करौंदिया पंचायत में स्थानीय लोगों का कहना है कि कई शोक पीट हैंडपंप के गड्ढे का कार्य बिना करवाए ही राशि आहरित कार्य लिया है बिना हैंडपंप के गड्ढे का कार्य एक भी नहीं करवाया गया है और राशि निकाल लिया गया है और कमरौहा में निर्माणाधीन पुलिया का जो कार्य चल रहा है उसमे बालू घटिया क्वालिटी का लेकर बनाया जा रहा है लोगों का कहना है वह बालू नही मिट्टी का उपयोग बालू कि जगह किया जा रहा है उक्त फोटो में दिख भी रहा होगा कि बालू कि

गुणवक्ता कैसी है और यहा तक लोगों का कहना है कि सरपंच से बोलते हैं तो वह बोलता है कि सब चल जाता है पुलिया का जो भी कार्य चल रहा है वह गुणवक्ता विहीन किया जा रहा है बेलदरा बांध अभी तक अधूरा पड़ा हुआ है जबकि उसके ठीक बगल में लगभग 100 मीटर कि दूरी पर ही बांध बना है पहले से ही फिर भी वही बगल में दूसरा बांध स्वीकृत कर दिया गया है और वह भी अभी तक अधूरा पड़ा हुआ है जहां के सरपंच श्यामकली सचिव अरविंद शर्मा और रोजगार सहायक निशा उपाध्याय है इसमें कही न कही यंत्री और उपयंत्री कि भूमिका संदिग्ध है स्थानीय लोगों का कहना है कि जिला पंचायत सीईओ यह मामला अपने संज्ञान में लेते हुए जांच दल गठित कर विधिवत् कार्यवाही किया जाय

विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश के अनुपालन में महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस के अवसर पर 02 अक्टूबर से 08 अक्टूबर तक संपूर्ण प्रदेश में जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता अभियान के रूप में साप्ताहिक कार्यक्रम जनपद स्तर,तहसील स्तर, ब्लाक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा विभाग द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान 03 अक्टूबर 2023 से 31 अक्टूबर 2023 तक चलाया जा रहा है आज 03 अक्टूबर को कलैक्ट्रेट सभागर एटा से संचारी रोग अभियान को हरी झण्डी दिखाकर आम जनमानस को संचारी रोगों के विषय में जागरूक करने हेतु रैली को कलैक्ट्रेट सभागार एटा से जिला अस्पताल एटा तक रवाना किया गया। संचारी रोगों की रोकथाम के लिये सबसे महत्वपूर्ण कदम स्वच्छता होती है। इसलिए स्वच्छता जागरूकता अभियान को उक्त कार्यक्रम को सम्मिलित कर आमजनमानस को जागरूक किये जाने का भी प्रयास किया गया है।

दस साल से बंद पड़ा है आंगनबाड़ी केंद्र

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - पटियाली तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत नरदोली में पिछले दस सालों से आंगनबाड़ी केंद्र बंद पड़ा हुआ है। यहां तैनात कार्यकर्ता भी केंद्र पर नहीं पहुंचती हैं। इसकी वजह से बच्चों व गर्भवती महिलाओं को पुष्टाहार तक नहीं मिल सका है। इस तरह का आरोप ग्राम प्रधान द्वारा डीएम को दिए गए

शिकायती पत्र में लगाया गया है और जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की गई है। डीएम को सौंपे गए ज्ञापन में नरदोली ग्राम पंचायत की ग्राम प्रधान कुंती ने

बताया है कि ग्राम पंचायत के मजरा विजय नगर में आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित है। केंद्र के संचालन को दो कार्यकर्ता भी तैनात किए गए हैं। आरोप है कि पिछले दस सालों से आज तक आंगनवाड़ी केंद्र नहीं खोला गया। इसकी वजह से गर्भवती महिलाओं, बच्चों को पुष्टाहार नहीं मिल पा रहा है। ज्ञापन के माध्यम से डीएम से मांग की गई है कि मामले की जांच कर आंगनवाड़ी केंद्र का संचालन शुरू कराया जाए और कार्यकर्ताओं के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। ज्ञापन देने वालों में मोहिनी देवी, संध्या कुमारी, कीर्ति, राजकांत, रेखा, सपना, रत्नेश समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

साथ-साथ रहने की सहमति व्यक्त की और आजीवन एक साथ रहने का समझौता कर लिया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देश के अनुपालन एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,

एटा में स्थापित मध्यस्थता केन्द्र में दिनांक 03 अक्टूबर 2023 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,एटा से प्राप्त पत्रावली वाद संख्या-8698/23 राजेन्द्र कुमार वनाम अनार सिंह आदि अन्तर्गतधारा 323, 504, 506, 498ए भ0द0स0

व ङडी0पी0 एक्ट थाना मिरहची, एटा का श्री कमालुद्दीन, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा एवं मध्यस्थ श्री कन्हीलाल शर्मा द्वारा दोनों पक्षकारों को एक साथ बैठाकर मीडिएशन कराया गया, जिसके परिणाम स्वरूप दोनो पती व पत्नी ने साथ-साथ रहने की सहमति व्यक्त की और आजीवन एक साथ रहने का समझौता कर लिया। सचिव महोदय द्वारा दोनो पती व पत्नी को एक-दूसरे के साथ पुन: दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करने के लिये अपने परिवारीजनों के साथ ससम्मान विदा किया।

पुलिस के द्वारा नहीं लिया जा रहा आवेदन और ना ही दी जा रही है रिसीविंग

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

एटा सचिन गुप्ता जी ने मीडिया को बताया कि मेरी परचूनी की दुकान ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस चौकी, थाना कोतवाली देहात एटा के सामने स्थित है। प्रार्थी दिनांक-02.10.2023 को जब अपनी दुकान की गुल्लक (तिजोरी) में रखे रूपये 21500/- नहीं मिले तब प्रार्थी ने अपने यहाँ लगे सी0सी0टी0वी0 कैमरे चैक किये तो उसमें दिनांक 27.09.2023 को ईशू पुत्र कन्हैयालाल निवासी न्यू रैवाडी मौहल्ला थाना कोतवाली नगर एटा गुल्लक से चोरी करते हुये पाया। प्रार्थी ने ईशू को बुलवाकर पूँछतांछ

की तब ईशू ने बताया कि उसने प्रार्थी की दुकान के कई बार गुटखे, रूपये व सिगरेटों की डिब्बियों चोरी की हैं।

प्रार्थी की दुकान से 16 डिब्बियों गोल्ड फ्लैक की और गायब मिलीं। महोदय सी0सी0टी0वी0 फुटेज में ईशू कई बार अलग-अलग दिन चोरी करते हुये दिखाई दे रहा है। प्रार्थी सी0सी0टी0वी0 फुटेज को विवेचना में जरूरत पड़ने पर उपलब्ध करा देगा। महोदय ईशू मेरे यहाँ काम करने वाले शंकर उपाध्याय पुत्र स्व0 प्रमोद कुमार उपाध्याय के मौहल्ले का रहने वाला है व शंकर उपाध्याय का परिचित होने के कारण प्रार्थी की दुकान पर आता जाता रहता था। प्रार्थी की एफ0आई0आर0 दर्ज अभी तक नहीं हुई है और ना ही आवेदन का रिसीविंग लिया जा रहा है इससे जब जाहिर होता है कि पुलिस प्रशासन की मंशा क्या है सचिन गुप्ता जी के द्वारा कई दिनों से थाना के चक्कर काटा जा रहा है लेकिन चोरी की स्न्ढ्ढक्र नहीं की जा रही है और ना ही आवेदन की रिसीविंग दी जा रही हैप्रार्थी सचिन गुप्ता ने लिखित रूप से आवेदन दिया लेकिन पुलिस प्रशासन के द्वारा नहीं लिया जा रहा है

महिला सशक्तीकरण पर जोर..एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

बंगरा(झाँसी)बंगरा क्षेत्र के मगरवारा गांव में महिला सशक्तिकरण मिशन के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया,साथ ही किसानों को जलवायु परिवर्तन प्रभाव कार्यशाला सहित पशु पुनर्वास व पशु स्वास्थ्य देखभाल की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक डॉ रश्मि आर्य पप्पू सेठ रहे। इस दौरान भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

मुख्य अतिथि डॉ रश्मि आर्य ने मगरवारा में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को अपने कार्यस्थल पर सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के बारे में जानकारी देते हुए कानूनों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने आत्मरक्षा, महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव एवं हिसा के बारे में बचाव के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि हम सबको अपना आत्मविश्वास ऊंचा रखना होगा और अपने साथ हुए अन्याय व हिंसा की सूचना पुलिस थाने में देनी चाहिए। उन्होंने इसके साथ अनेक विषय पर विस्तार से चर्चा की और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बार में महिलाओं एवं किसानों को जागरूक किया और जलवायु परिवर्तन प्रभाव सहित पशु पुनर्वास व पशु स्वास्थ्य देखभाल की भी विस्तार से जानकारी दी। आयोजन की बतौर विशिष्ट अतिथि रही डॉ निशि राय प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र झांसी ने जलवायु परिवर्तन के समय फसलों की रक्षा एवं पशु धन देख रेख के बारे में विस्तार से बताया।बैठक की अध्यक्षता हरितिका कार्यक्रम निर्देशक रहीश यादव द्वारा की गई उन्होंने सभी आगंतुकों का फूल मालाओं से स्वागत किया।आयोजन का सफल संचालन एंजी संजीव चौबे द्वारा किया गया।आयोजन में डॉ ए के राय,डॉ प्रिंस कुमार,डॉ हनुमंत सिंह,डॉ अशोक राजपूत, बृजेंद्र सिंह चौबे वैज्ञानिकों के द्वारा संगोष्ठी विषयों पर विस्तार से व्याख्यान किया गया। इस मौके पर सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम केशव बोले : नागवासुकि से लेकर द्रौपदी घाट तक होगा सौंदर्यीकरण, रूपरेखा तैयार करने का निर्देश

वर्तमान में दारागंज काली सड़क से नागवासुकि तक तकरीबन फोरलेन की सड़क का सौंदर्यीकरण पिछले कुंभ के दौरान ही कर लिया गया था।उसी का विस्तार अब द्रौपदी घाट तक किया जाएगा। इसमें लाइटिंग के साथ ही लोगों के बैठने के लिए लोगों के बैठने के लिए बेंच आदि भी लगाई जाएगी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को प्रयागराज जिले की विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में दारागंज स्थित नागवासुकि से लेकर सीडीए पेंशन कार्यालय के पास द्रौपदी घाट तक गंगा किनारे सौंदर्यीकरण का निर्देश दिया। उन्होंने अफसरों से कहा कि अगले 50 साल को ध्यान में रखते हुए इसके सौंदर्यीकरण की रूपेरेखा तैयार करें। कार्य योजना बनाते समय जनप्रतिनिधियों का भी सुझाव लिया जाए। वर्तमान में दारागंज काली सड़क से नागवासुकि तक तकरीबन फोरलेन की सड़क का सौंदर्यीकरण पिछले कुंभ के दौरान ही कर लिया गया था। उसी का विस्तार अब द्रौपदी घाट तक किया जाएगा। इसमें लाइटिंग के साथ ही लोगों के बैठने के लिए बेंच आदि भी लगाई जाएगी। इसका एक फायदा यह भी होगा कि जिस तरह से कछार में लोग निर्माण कर रहे हैं, उसमें सड़क बनने से अंकुश भी लगेगा। डिप्टी सीएम ने कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से हुई बातचीत में कहा कि प्रयागराज में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। अफसरों से आज कहा गया है कि संगम नगरी के प्रमुख मंदिर, धार्मिक स्थल आदि को और किस तरह से बेहतर किया जा सकता है इसकी वह कार्ययोजना प्रस्तुत करें। महर्षि भारद्वाज मंदिर के विस्तार का कार्य उन्होंने जल्द पूरा करने के लिए कहा।

ब्लड बैंकों पर लगाई जाए रेट लिस्ट

प्रयागराज में डेंगू के बढ़ रहे मामले को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में डिप्टी सीएम ने कहा कि उन्होंने सीएमओ को निर्देश दिया है कि सभी ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स की रेट लिस्ट लगाई जाए, ताकि इसके नाम पर कहीं अवैध वसूली न हो। दवा का छिड़काव भी करने का निर्देश दिया।

लोगों के सहयोग से हेलमेट की करें व्यवस्था

शहर में वाहनों के ऑनलाइन चालान को लेकर उन्होंने कहा कि दो पहिया वाहन चालकों को चाहिए कि वह हेलमेट का प्रयोग करें। पुलिस कमिश्नर से कहा गया है कि वह स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से हेलमेट की व्यवस्था करें, अगर कोई हेलमेट नहीं पहनता है तो उसे हेलमेट उपलब्ध कराई जाए। जातीय जनगणना को लेकर पूछे गए सवाल पर केशव ने कहा कि मैं व्यक्तिगत तौर पर इसका विरोधी नहीं हूं।

फूलपुर समेत यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटें जीतेगी भाजपा

विपक्ष ने यह सारा प्रयोग सत्ता में आने के लिए किया है। जनता भी विपक्ष के मंसूबे जानती है। विरोधी गठबंधन जान ले अगले लोकसभा चुनाव में फूलपुर समेत प्रदेश की सभी 80 सीटें भाजपा जीतने जा रही है। जनता ने पूरी तरह से नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मन बना लिया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के घर पर ईडी की छापामारी को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि जो भ्रष्टाचारी है वही छापे से डर रहा है।

पत्रकार की पत्नी ने एसएसपी को दिया शिकायत पत्र, पुलिस पर लगाये गंभीर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच –नेहा श्रीवास

झाँसी। एक ओर जहां यूपी पुलिस के आला अधिकारी और योगी सरकार पुलिस की छवि को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कुछ पुलिसकर्मी सरकार के इरादों पर पानी फेरते नजर आ रहे हैं। ऐसा ही कुछ देखने को मिला जब जनपद के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत मसीहागंज चौकी में तैनात चौकी प्रभारी ने एक पत्रकार को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी है। चौकी प्रभारी ने कथित तौर पर पत्रकार को जेल भेजने की धमकी तक दे डाली गई। पीड़ित पत्रकार ने एसपी को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए पत्रकार व उनकी पत्नी ने एसएसपी राजेश एस को प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय कि गुहार लगायी। प्रार्थना पत्र में बताया कि अंकिता दूबे पत्नी ध्रुव दुबे निवासी 1075 ताज कम्पाउण्ड सीपरी बाजार झाँसी की निवासनी है। और उनका पति ध्रुव दुबे एक दैनिक अखबार में पत्रकार है। हाल ही में उन्होंने कई हुक्का बारो व स्पा सेंटर के खिलाफ वीडिओ सोशल मीडिया व समाचार पत्र के जरिये प्रकाशित किए। प्रकाशित खबर से रुष्ठ होकर दिनांक 02 अक्टूबर को रात्री करीव 11ः50 पर थाना सीपरी बाजार अंतर्गत मसीहागंज चौकी प्रभारी चार अन्य पुलिस कर्मियों के साथ घर पर आकर जोर–जोर से गेट खटखटाया और गाली देकर बोले तेरा पति बहुत बड़ा पत्रकार हैं। बहुत आईजीआरएस एवं अन्य बहुत प्रकरणो का खुलासा करता है। उसे रोक देना और सुबह थाने पहुंचा देना नही तो तेरे पति को फर्जी मुकदमो फंसाकर जेल पहुंचा देगें। उसको समझा लेना नही तो तेरे पति को नष्ट कर देगें। जब पत्रकार कि पीड़िता पत्नी ने कहा कि आप तो रख वाले हो तो आप मेरे घर पर आकर अपशब्द क्यो बोल रहे हों। उपरोक्त सभी लोग गाली गलौच कर चले गये। पीड़िता महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के प्रार्थना पत्र में उक्त पुलिस कर्मियों से अपने पत्रकार पति को बचाने की गुहार लगायी है।

स्वर्ण जयंती महोत्सव: सीएम योगी बोले, आर्य समाज ने सबसे पहले घर वापसी से दिया था धर्मांतरण का जवाब

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पूर्व देश की राजधानी दिल्ली से महर्षि दयानंद सरस्वती जी के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। उन्होंने आर्य समाज के उस कार्यक्रम के माध्यम से देश और दुनिया में फैले लाखों आर्य वीरों को जागृत करने का कार्य किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में जब बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया जा रहा था, तो उस समय सबसे पहले आर्य समाज ने घर वापसी कराकर उसका जवाब दिया था। वहीं अंग्रेजों ने जब भारतीयों पर तुष्टीकरण की नीति को थोपा तब आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरुआत की। आर्य समाज भारत का जीवंत आंदोलन रहा है। एक समय था बस्ती से लेकर कराची तक आर्य समाज का बोलबाला था। सीएम योगी ने बुधवार को एक निजी होटल में आर्य समाज बस्ती द्वारा आयोजित आर्य समाज के स्वर्ण जयंती महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वदेशी और अछूतोद्धार के कार्यक्रम को आर्य समाज ने आगे बढ़ाया। आर्य समाज के आंदोलनों ने अनेक क्रांतिकारी दिए। काकोरी एक्शन के महानायक पंडित रामप्रसाद बिस्मिल आर्य समाज की ही देन थे, जो एक प्रचारक के रूप में सांझापुर में कार्य करते थे। उस समय का हर क्रांतिकारी आर्य समाज के साथ जुड़कर गौरवान्वित महसूस करता था। सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा को संस्कारों और आधुनिकता के साथ जोड़ने का कार्य आर्य समाज के संस्थापक महर्षी दयानंद सरस्वती ने किया था। उन्होंने कहा कि डीएवी को एक समय देश की सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं में से एक माना जाता था, जहां पर वैदिक प्रार्थना और हवन यज्ञ के साथ दिन की शुरुआत होती थी। सीएम योगी ने कहा कि युग प्रणेता महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के साथ पूरा भारत जुड़ रहा है और उन्हें नमन कर रहा है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पूर्व देश की राजधानी दिल्ली से महर्षि दयानंद सरस्वती जी के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। उन्होंने आर्य समाज के उस कार्यक्रम के माध्यम से देश और दुनिया में फैले लाखों आर्य वीरों को जागृत करने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष से आर्य समाज की स्थापना का 150वां वर्ष प्रारंभ होने जा रहा है, जो देश और हमारे समाज के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस दौरान हमें अपने युवाओं के प्रेरित करना है कि वह आर्य समाज के कार्यों पर शोध करें। इससे हमारी वर्तमान पीढ़ी आर्य समाज के योगदान के बारे में जान पाएगी। कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, विधान परिषद सदस्य सुभाष आर्य उप प्रतिनिधि सभा बस्ती के प्रधान ओम प्रकाश आर्य, महामंत्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा विनय आर्य समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

आजमगढ़ – गुमटी पर गिरे तार से उतरे करंट ने ली युवक की जान, परिजनों में मचा कोहराम

नगर पालिका मुबारकपुर कार्यालय के पास फकीरचंद की गुमटी थी। जिसे दशहरा पर्व को देखते हुए बुधवार को हटाया जा रहा था। आधा दर्जन भर लोग गुमटी को उठा कर अन्यत्र ले जा रहे थे। मुबारकपुर कस्बा में बुधवार को गुमटी पर गिरे बिजली की तार से उतरे करेंट से युवक की मौत हो गई। वहीं कई अन्य बाल–बाल बच गए। दशहर पर्व को लेकर गुमटी को हटाते समय हादसा हुआ। पुलिस ने शव को अंत्यपरीक्षण के लिए मर्चरी भेजवा दिया है। नगर पालिका मुबारकपुर कार्यालय के पास फकीरचंद की गुमटी थी। जिसे दशहरा पर्व को देखते हुए बुधवार को हटाया जा रहा था। आधा दर्जन भर लोग गुमटी को उठा कर अन्यत्र ले जा रहे थे। इसी दौरान एक विद्युत तार टूट कर गुमटी पर गिर गया। जिससे गुमटी में करंट उतर आया। जिससे गुमटी उठा कर हटा रहे लोग करंट की चपेट में आ गए। अन्य लोग तो बाल–बाल बच गए लेकिन पूरा दीवान मुहल्ला निवासी बदरूज्जमा 40 की करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। उसे आनन–फानन में सीएचसी मुबारकपुर ले जाया गया। जहां डॉक्टरा ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक छह पुत्र व दो पुत्री का पिता था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अंत्यपरीक्षण के लिए मर्चरी भेजवा दिया।

ज्ञानवापी केस– मुस्लिम पक्षकारों की मांग पर फिर टली ज्ञानवापी मामले की सुनवाई, अब 30 अक्तूबर को होगी बहस

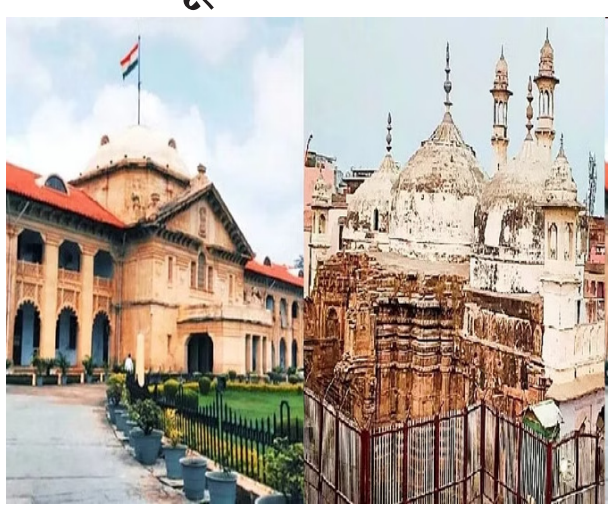

वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर से जुड़ी पांच याचिकाओं पर बुधवार को होने वाली सुनवाई मुस्लिम पक्षकारों की मांग पर 30 अक्तूबर तक टाल दी गई है। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर से जुड़ी पांच याचिकाओं पर बुधवार को होने वाली सुनवाई मुस्लिम पक्षकारों की मांग पर 30 अक्तूबर तक टाल दी गई है। इन याचिकाओं में तीन याचिकाएं वर्ष 1991 से वाराणसी की अदालत में लंबित सिविल वाद की पोषणीयता और दो याचिकाएं निचली अदालत द्वारा ज्ञानवापी के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की अनुमति देने वाले आदेश को चुनौती देने वाली हैं। मामले की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर की एकल पीठ कर रही है। इससे पहले इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की अदालत में पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया गया था, जो 28 अगस्त को सुनाया जाना था। इसी बीच इस सुनवाई के खिलाफ किसी ने मुख्य न्यायाधीश के समक्ष शिकायती पत्र प्रस्तुत किया था, जिसकी जांच के बाद यह पाया गया कि अदालतों का रोस्टर बदलने के बाद भी न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की अदालत में सुनवाई अनवरत चलती रही। क्षेत्राधिकार के बाहर पूरी हुई सुनवाई के आधार पर मुख्य न्यायाधीश ने मामले को अपनी अदालत में स्थानांतरित करते हुए खुद सुनवाई करने का फैसला लिया था।

मुस्लिम पक्ष ने केस टालने की मांग की

ऐन मौके पर स्थानांतरित हुई मामले की सुनवाई पर अंजुमन इंतजामिया मसाजिद समेत अन्य मुस्लिम पक्षकारों ने आपत्ति उठाई थी। मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि पिछले कई वर्षों में करीब 75 तारीखों पर मामले की सुनवाई हो चुकी है और तीन बार निर्णय सुरक्षित हो चुका है। न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की अदालत द्वारा निर्णय सुनाए जाने की तिथि पर अचानक सुनवाई को अग्रिम सुनवाई के लिए मुख्य न्यायमूर्ति की अदालत में सूचीबद्ध किया जाना अवैधानिक है। मुस्लिम पक्ष ने उस शिकायती पत्र की प्रति उपलब्ध कराने की मांग भी की थी, जिसके आधार पर मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की अदालत से स्थानांतरित कर मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर खुद कर रहे हैं। हालांकि, अदालत ने मुस्लिम पक्ष की इस दलील को पहले ही खारिज कर दिया है और मामले में सुनवाई करने का फैसला लिया है। बुधवार को मामले की सुनवाई नियत थी, लेकिन मुस्लिम पक्षकारों की तरफ से मामले से जुड़े कई दस्तावेजों के निरीक्षण का हवाला देते हुए सुनवाई को टालने की मांग की गई। इस पर अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 30 अक्तूबर को करने का फैसला लिया है।

श्रद्धालुओं से भरी टैक्सी नेशनल हाईवे के ग्राम भड़रा के पास अनियंत्रित होकर पलटी ,आधा दर्जन से अधिक सवारिया घायल

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी खजुराहो नेशनल हाईवे के ग्राम एवनी के निवासी छतरपुर जिले के अंतर्गत आने वाले हरपालपुर कस्बे के समीप एक धार्मिक स्थल पर गए हुए थे। जब वह वहां से वापस लौट रहे थे। इस दौरान अचानक नेशनल हाईवे पर पड़ने वाले ग्राम भंडरा के पास टैक्सी अनियंत्रित होते हुए पलट गई। जिसमें टैक्सी में सवार एक दर्जन से अधिक सावरियो में से आधा दर्जन से अधिक सावरिया घायल हो गई। जिनमें से गुलाब,गोविंद दास ,दलपत, चंद्रभान, बालादीन ,मूलचंद ,हरकुंवार ,विमला उदयभान को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊरानीपुर लाया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। तो वहीं गुलाब पुत्र हरिदास की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज झांसी के लिए रेफर कर दिया गया।

हैजा के कारण दो की मौत कई गंभीर जिम्मेदार कौन 70 साल बाद भी नहीं बनी दत्तूपुर गांव में सड़क विधायक के सपने हुए अधूरे

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

■ हैजा के मरीजों को 108 एंबुलेंस वाले रास्ते में ही उतारे जिसमें से तीन मरीजों में से एक की हुई मौत एंबुलेंस ड्राइवर गाड़ी लेकर भागे जिससे मुसहरा जाति के लोग लाठी में धोती बांधकर मरीज को ले गए हॉस्पिटल की ही थी एंबुलेंस क्या ऐसे ही होगा जनता का उद्धार

रीवा जिले के त्योंथर ब्लाक अंतर्गत दत्तूपुर गांव के मुसहर जाति के उल्टी दस्त के मरीज में से दो महिला की मौत कई गंभीर जिनका त्योंथर सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर गांव में है जहां परीक्षण किया जा रहा है बीमारी से ग्रसित मरीजों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है ।वहीं सड़क नहीं होने के कारण गांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच पा रही है जिससे ग्रामीण और स्वास्थ्य विभाग को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बांस के सहारे बांधकर या चारपाई से मुख्य मार्ग तक मरीजों को पहुंचाना गांव तक सड़क का न होना समस्या का मुख्य कारण बन रह है आदरणीय विधायक जी का ध्यान किधर है कि इस ग्राम पंचायत में रोड नहीं है क्या इसके लिए विधायक जी कुछ नहीं किया आज 5 वर्ष में क्योंकि जनता की सेवक हैं तो फील्ड में तो आते ही है इनको यह सोचना चाहिए कि इस गांव के लोगों की जिंदगी कैसे कट रही है किस तरह वह जीते हैं आज बताइए कितने लोगों की मौत हो रही है इतने लोगों की तबीयत खराब हो रही है वहां गाड़ी नहीं पहुंच पा रही है इसके जिम्मेदार कौन है हम आप अपना एक जिम्मेदार व्यक्त समझकर ही विधायक चुनते हैं और विधायक बनने की बात विधानसभा में कोई बात उठा ही नहीं सकते कहां हमारे क्षेत्र में क्या दिक्कत है क्या परेशानी है देखने वाली बात यह है की कुछ ही दिनों में चुनाव होने वाले हैं और विधायक जी प्रचार में भी जाएंगे तो जनता उनके साथ क्या बर्ताव करेगी या फिर विधायक जी उसे गांव की रोड पर तत्काल ध्यान देंगे या तो वक्त ही तय कारण

खंडेलवाल महाविद्यालय की एन.सी.सी कैडेट मुस्कान ,राष्ट्रीय स्तर पर हुई पुरस्कृत

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा ।खंडेलवाल महाविद्यालय, 8-यूपी गर्ल्स बटालियन की एन0सी0सी0 कैडेट मुस्कान यादव का चयन थल-सैनिक शिविर के लिए किया गया था। कैम्प का शुभारंभ ले0 जनरल गुरबीर पाल सिंह ने 20 सितंबर, 2023 को करियप्पा परेड ग्राउंड, दिल्ली कैंट में अखिल भारतीय सेना शिविर में किया गया। सभी राज्यों और संघ को कवर करने वाले 17 एन0सी0सी0 निदेशालयों से लगभग 1,547 कैडेटों ने प्रतिभाग लिया ।19 सितंबर को शुरू हुए 12-दिवसीय शिविर के दौरान, कैडेटों ने शूटिंग, बाधा प्रशिक्षण, मानचित्र पढ़ना और अन्य पेशेवर प्रशिक्षण प्रतियोगिताओं जैसे कई विषयों में प्रतिस्पर्धा की। प्रतियोगिताओ में उत्तर प्रदेश निदेशालय 12वें नंबर पर रहा। मुस्कान यादव ने लाइन एरिया प्रतियोगिता में वॉल पेंटिंग की। मिट्टी से बनाई काशी विश्वनाथ मंदिर और उत्तर प्रदेश की मूर्ति मुस्कान प्रतिमाओं एवं चित्रों की लेफ्टिनेंट जनरल द्वारा सराहना की गई ।सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी मुस्कान यादव शामिल हुईं। 30 सितंबर को मुरादाबाद कैंप के दौरान सभी थल सैनिक शिविर के कैडेटस का स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ0 विनय खंडेलवाल ,डॉअमरेश कुमार, एवं प्राचार्य डॉ.आर. के.सिंह प्रशासनिक अधिकारी राकेश चतुर्वेदी,एवं ले. रचना ने मुस्कान के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने मुस्कान के इस कार्य की सराहना की।

अगर हम सैनिक सेना परिवार में बदलाव चाहते हैं तो हमें अपनी सोच बदलनी होगी-समीर खानोलकर

क्यूँ न लिखूँ सच

कोलापुर-कोई भी चीज़ अच्छी या बुरी आपके देखने के तरीके से तय होती है! यही बात हमारे जीवन में भी लागू होती है. यह महत्वपूर्ण नहीं है कि दुनिया आपको कैसे देखती है, बल्कि आप दुनिया को कैसे देखते हैं यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कैसे जीते हैं। आइए, अपने सैनिक समुदाय के प्रति अपने दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाएँ, उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विपरीत परिस्थिति को भी बेहतर बनाने का प्रयास करें आइए संगठित हों, एकजुट रहें आपके लिए हमारे सैन्य समुदाय के लिए

प्राथमिक विद्यालय का ताला तोड़कर हजारों का सामान चुरा ले गए

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के गांव कुवंरपुर बंजरिया में बीती रात्रि प्राथमिक विद्यालय बंजरिया में अज्ञात चोरों ने विद्यालय के गेट तथा रसोईघर,शिक्षण कक्ष, आंगनबाड़ी केंद्र आदि के तालों को तोडड़कर गैस सिलेंडर,दो बोरी अनाज, बर्तन, प्रोजेक्टर की बैटरी सहित हजारों का अन्य सामान चुरा ले गए। बुधवार को जब प्रधानाचार्य रामप्रकाश स्कूल पहुंचे तो ताले टूट पड़े थे।जब अन्दर घुस तो, पूरे स्कूल के ताले टूटे पड़े थे। इसकी सूचना तुरन्त 112 को सूचना दी। मौके पर पुलिस ने निरीक्षण कर आसपास के लोगोंं से पूछताछ की। प्रधानाचार्य ने थाना हाफिजगंज में मामले की लिखित शिकायत की है।

टहरौली में दूसरे दिन बुंदेलखंड राज्य निर्माण के लिए जारी आमरण अनशन

जब तक मांगे नही होगी पूरी आमरण अनशन जारी रहेगा

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

टहरौली(झाँसी) टहरौली में चल रही 9 सूत्रीय मांगों को लेकर टहरौली के विकास के लिए चल रही आमरण अनशन दूसरे दिन भी जारी रही प्राप्त जानकारी के अनुसार कस्बे के वरिष्ठ पत्रकार बाबू सिंह यादव सुरेंद्र प्रजापति अंकित गौतम सोनू गुप्ता जाहर सिंह अमित दुबे सोनू चौधरी आदि आमरण अनशन पर बैठे हैं। बाबू सिंह यादव ने कहा कि हमारे बुंदेलखंड का विकास जब तक संभव नहीं है जब तक की बुंदेलखंड राज्य नहीं बन जाता विकास के लिए मैं हमेशा प्रयत्नशील रहूंगा इसके लिए मुझे जो भी करना पड़ेगा मैं करूंगा बुंदेलखंड के लिए अगर मुझे अपने प्राण भी त्यागने में पड़े तो मैं वह भी करने में पीछे नहीं हटूंगा। सोनू गुप्ता ने कहा कि जब तक टहरौली को जिला नही बनाया जाता तब तक हमारे टहरौली क्षेत्र का विकास सम्भव नही है उन्होंने कहा कि टहरौली को जिला बनाने के लिए गरौठा, टहरौली, मऊरानीपुर तीनों तहसीलों को मिलाकर टहरौली को जिला बनाया जाए। सुरेन्द्र प्रजापति, ने कहा कि टहरौली को नगर पंचायत बनाया जाए क्योंकि हम तीन पंचायतों के निवासी आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है जबकि टहरौली से छोटे-छोटे कस्बे भी नगर पंचायत में परिवर्तित कर दिए गए है जबकि उनके मानक टहरौली कस्बे से कम है हमारे टहरौली के सभी मानक पूरे होने के बाबजूद भी शासन ध्यान नही दे रहा है अगर जल्द ही टहरौली को नगर पंचायत नही बनाई जाती है
तो हम लोग जन-आंदोलन करने को बाध्य हो जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी, अंकित गौतम, ने कहा सभी तहसील में 2-2 ब्लॉक है लेकिन हमारी तहसील टहरौली क्षेत्र के गांव अभी 4 ब्लॉक में बंटे होने के कारण क्षेत्र के लोगो को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है इसलिए हमारी तहसील में ब्लॉक बनाकर लोगो सुविधा उपलब्ध कराने में शासन-प्रशासन सहयोग प्रदान करें जिससे यंहा की जनता को विकास खण्ड का उपहार देकर जनता को सहयोग प्रदान करें, अमित दुबे ने कहा कि हमारे तीनों ग्राम पंचायतों सरकारी भूमि को विकास के नाम दर्ज करें जिससे यंहा आने वाले सरकारी कार्यलयों के भवन निर्माण में किसी भी प्रकार की आगे अड़चन न आए और क्षेत्र का विकास हो सके। सोनू चौधरी, ने कहा कि हमारे क्षेत्र में महाविद्यालय न होने के कारण हमारे क्षेत्र के बच्चों को अन्य दूसरे शहरों में पढ़ने के लिए जाना पड़ता है जिससे उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का करना पड़ता है और पैसों की तंगी के कारण अपनी पढ़ाई छोड़-कर वापिस आ जाते है इसलिए हमारे टहरौली में जिस जमीन पर महाविद्यालय खतौनी में दर्ज है उस पर महाविद्यालय का भवन निर्माण कर क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा देने में सहयोग प्रदान करें। जाहर सिंह ने कहा कि क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र न होने के कारण लोगो को बड़े शहरों की ओर जाना पड़ता है इसमे कई वार गम्भीर मरीजों को अपनी जान से हाँथ धोना पड़ता है इसलिए टहरौली में प्रस्तावित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कर क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रदान करें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कई सड़के बड़े-बड़े गड्ढो में तब्दील हो गई है जिससे यंहा के आवागमन में आने-जाने में असुविधा का सामना करना पडता है इसलिए क्षेत्र की सड़कों। को डामरीकरण कराकर सहयोग प्रदान करें । वंही भूख हड़ताल को बुंदेलखंड किसान यूनियन का भी पूर्ण समर्पण मिल रहा है आमरण अनशन कर रहे लोगों का साफ कहना है कि जब तक हमारी मांगे पूरी नही होती है तब तक हम आमरण अमशन पर ही बैठे रहेंगे चाहे इसके लिए हमे अपने प्राण क्यों न त्यागने पड़े। इस मौके पर अमित जैन प्रधान (टहरौली किला) अवध विहारी प्रधान (गाता) सूरज शर्मा,आशीष उपाध्याय, डॉ बाबूलाल दोंदेरिया,डॉ मोना राजा बुंदेला,राष्ट्रपाल सिंह यादव(एडवोकेट) गोविंद यादव,अरविंद सोनी, अन्नू आर्य, पंकज शर्मा, घासीराम समाधिया, राजेश जैन, लल्लूराम, रमेश अहिरवार, मुन्नालाल, संजीव जैन, हरप्रसाद, छेदीलाल घुरैया, रामभरोसे, कुशवाहा,दीपक यादव चँचल यादव,विवेक यादव,मूलचंद,ऋषिराज खरे,घनश्याम प्रजापति, दिनेश सैनी,हरिओम, पुष्पेंद्र पाल, मिथलेश पाल ,सहित आदि लोग मौजूद रहे।

घर में अकेली देख 21 साल की बालिका से पिता के दोस्त ने की घिनौनी हरकत

क्यूँ न लिखूँ सच
मीरा कौशिक

गाजियाबाद - विजयनगर थाना क्षेत्र में पिता के दोस्त ने युवती से अस्मत लूटी पीड़ित युवती की मां की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया पुलिस ने आरोपी को मेरठ के ब्रह्मपुरी इलाके से गिरफ्तार किया यूपी के साथ दुष्कर्म करने पर विजयनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया पुलिस का कहना है
कि पकड़ा गया आरोपी पीड़िता के पिता का दोस्त था एसपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि विजयनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला 28 सितंबर को केस दर्ज कराया था जिसमें उसके अपने परिचित पर 21 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म किया केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने मामले की जांच की और आरोपी को गिरफ्तार किया पकड़े गए
आरोपों की पहचान मेरठ के ब्रह्मपुरी इलाके में रहने वाले 54 वर्षीय इश्तियाक सैफ के रूप में हुई बताया जाता है कि इश्तियाक बधाई का कार्य करता है और उसके पिता का बहुत अच्छा दोस्त था और उनके यहां उनका आना-जाना था
पिता की मृत्यु के बाद भी वह आता जाता था एक बार घर आया और युक्ति को अकेला देख और उसके साथ दुष्कर्म किया युवती ने सारी शिकायत अपनी मां को कर दी इश्तियाक अब सलाखों के पीछे है भेजने का काम गाजियाबाद थाना विजयनगर पुलिस के द्वारा किया गया

पूर्व विधायक पर जमीन कब जाने के आप असलम और उसके बेटे समेत 25 लोगों के खिलाफ एफ आई आर

क्यूँ न लिखूँ सच
मीरा कौशिक

गाजियाबाद विधानसभा सीट से पूर्व विधायक व समाजवादी पार्टी के नेता असलम चौधरी समय तीन लोगों पर जमीन काम जाने के मामले फिर दर्ज क्या है पूरा मामला विस्तार से आदिल यामीन दीवान ने गाजियाबाद के थाना मसूरी में एफआईआर दर्ज की इससे पूर्व विधायक असलम चौधरी उनके पुत्र शाहनवाज उमरी सहित लगभग 20 से 25 अज्ञात लोग बताए गए आदिल यमन के अनुसार 6 जुलाई को शाहनवाज कुछ लोगों के साथ अपनी पुश्तैनी जमीन में घुस आए और जमीन पर कब्जा करने लगे सूचना पर आदिल यामीन मौके पर पहुंच गए पुलिस को बुलाया पुलिस के आने तक शाहनवाज वहां से भाग गया आदिल यामिनी ने कहा आरोपियों को भगाने तक उन्हें हत्या कर लाश नहर में फेंकने की धमकी दी*कहते हैं पूर्व विधायक आदिल यामीन ने इस घटना की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करवाई परिवार के अनुसार पूर्व विधायक का परिवार जमीन पर कब्जा करके बदले में रंगदारी मांग रहा है मामले में मसूरी थाना पुलिस ने 3 अक्टूबर को मुकदमा दर्ज कर लिया उधर पूरे मामले में पूर्व विधायक असलम चौधरी का कहना है कि मेरे बेटे ने आवासीय कॉलोनी बनाने के लिए जमीन आदिल अमीन से खरीदी थी लेकिन रजिस्ट्री के वक्त कुछ गड़बड़ हो गई और मेरे बेटे ने रिपोर्ट दर्ज कराई पुलिस उसमें चार सीट लग चुकी है यह मुकदमे की रंजीत से एक दूसरे के पक्ष पर झूठा मुकदमा किया गया है

नवरात्र महोत्सव में आने वाली समस्याओं को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। दुर्गा उत्सव महासमिति के तत्वाधान में मां दुर्गा उत्सव की तैयारी के लिए जोर-शोर से कार्य जारी है। समिति के पदाधिकारी अलग-अलग समस्याओं को लेकर संबंधित अधिकारियों से मिलकर जल्द से जल्द समस्याओं का अंत करने में जुटे हुए हैं। मां भगवती की प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु लक्ष्मी गेट बाहर स्थित प्राचीन कुंड की साफ सफाई व्यवस्था भी लगातार जारी है। माता रानी की प्रतिमाओं के आगमन एवं विसर्जन हेतु भक्तों को रास्ते में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। इसके लिए सभी मार्गो को भी दुरुस्त किया जा रहा है। इन्हीं तैयारियों की हकीकत जानने के लिए बुधवार को नगर निगम के अधिकारी और दुर्गा उत्सव महासमिति के पदाधिकारियों ने मौके का मुआयना किया। नगर निगम की ओर से मुख्य अभियंता एसके सिंह, अधिशासी अभियंता एमके सिंह, सहायक अभियंता रामकुमार भद्रसेन और अवर अभियंता अशोक कुमार आदि पहुंचे। अधिकारियों ने यथा स्थिति का मुआयना करते हुए जल्द से जल्द कार्य पूर्ण किए जाने के निर्देश अपने अधीनस्थों को दिए। दुर्गा उत्सव महासमिति की ओर से शोभा यात्रा संयोजक पीयूष रावत ने दुर्गा उत्सव में आने वाली समस्याओं को लेकर अधिकारियों को अवगत कराया। मालूम रहे कि इससे पूर्व समिति के सभी पदाधिकारीयों ने नगर आयुक्त पुलकित गर्ग से मिलकर उपरोक्त सारी समस्याओं को जल्द निपटने का आग्रह किया था। इसके परिणाम स्वरूप जल्द ही सभी समस्याएं निस्तारित होने जा रही हैं। ननि अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से दुर्गा पंडालों के पास सीसीटीवी कैमरा भी लगाए जाएंगे। कुंड को दोबारा खाली कराकर साफ पानी से भरा जा रहा है। कुंड के पास स्थित प्राचीन कुएं को साफ कराकर उसे संरक्षित किया जाएगा और इसी कुएं के साथ पानी से भविष्य में कुंड भरा जाएगा। कुंड के पास ही एक बोरिंग भी कराई जा रही है। जिससे कुंड भरने में आसानी होगी। कुंड के चारों ओर सीसीटीवी कैमरा लगा दिए गए हैं। कुंड के चारों ओर पढ़ने वाले मार्ग एवं कुंड स्थल पर सभी पुराने अपेक्स को बदलकर नए रंगीन अपेक्स लगाए जा रहे है। कुंड की चारों ओर से फेंसिंग एवं दो दरवाजे भी लगाए जा रहे हैं। इस दौरान इस दौरान अध्यक्ष पुरूषोत्तम स्वामी, कार्यवाहक अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, महामंत्री विनोद अवस्थी, शोभा यात्रा संयोजक पीयूष रावत ,कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी , राहुल कुशवाहा सभासद नगर निगम झांसी,गोकुल दुबे,अरविंद वशिष्ठ ,संतोष साहू ,अमर सिद्ध ,अमित चिरवरिया, मुकेश अग्रवाल, आलोक चतुवेर्दी , राजेश विरथरे,रवीश त्रिपाठी, अतुल किल्पन, एडवोकेट अजय मिश्रा ,सत्येंद्र पुरी गोस्वामी, मुकेश सोनी,अभिषेक साहू, पवन गुप्ता ,जयदीप खरे,एडवोकेट समीर तिवारी ,प्रभात शर्मा ,संजीव तिवारी ,अतुल मिश्रा ,एडवोकेट नरेंद्र अग्रवाल, विकास अवस्थी सूर्यप्रकाश अग्रवाल,पुरुकेश अमरया, एडवोकेट हेमंत राव, मीडिया प्रभारी डॉ भूपेंद्र रायकवार , राहुल साहू , राहुल कुशवाहा पार्षद ,संजीव गुप्ता पार्षद ,संजीव अग्रवाल लाला ,संजय खटीक ,अमन मिश्रा अतुल मिश्रा मार्तंड स्वामी, पहलाद साहू, राकेश त्रिपाठी, मुकेश सिंघल,कुलदीप सिंघल , राहुल साहू ,सचिन पटवा, प्रभात शर्मा, पंकज नोटा मिश्रा,मंजुल रोहित आदि उपस्थित रहे।

अनोखे रीतिरिवाज के साथ निकाली गई भैंसे की शव यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी जिले के मोठ में अनोखे रीति रिवाज के साथ बैंड बाजे और ढोल नगाड़ों के साथ निकली भैंसें की अंतिम शव यात्रा। दरअसल जनपद की तहसील मोठ अंतर्गत समथर थाना क्षेत्र के ग्राम छोटा बेलमा में कारस देव महाराज के नाम से छुट्टा घूम रहे एक भैंसे की मौत हो गई। जिसके बाद सभी ग्राम वासियों ने बुल्डोजर पर भैंसे को रखवाकर उसकी शव यात्रा की तैयारी की। जिसमें बैंड बाजों के साथ शव यात्रा निकाली गई। जिसमें ग्रामीणों ने पूरी विधि विधान और पूजा अर्चना करके नए वस्त्र लाल चुनरी, फूल माला भैंसे को पहनाई गई। इसके बाद शव यात्रा में ग्रामीण रोते हुए भी नजर आए हैं। ग्रामीणों ने गांव के बाहर गहरा गड्ढा खोदकर विधिवत तरीके से भैंसे को दफनाया और ग्रामीण कन्या भोज की तैयारी में जुट गए। यह अनोखी शव यात्रा एक अद्भुत और अनुकरणीय मिसाल के साथ गांव से लेकर जिले भर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

Why should one drink fig water on an empty stomach in the morning? Know the surprising benefits

Anjeer Water Benefits: Figs, rich in nutrients, are considered very beneficial for health, but do you know how many benefits you will get by drinking fig water in the morning. This water rich in potassium controls high BP, apart from this it also helps in normalizing the blood sugar level. Many nutrients like magnesium, copper, potassium, phosphorus are found in figs. - Fig water in weight loss diet. Can include.- Fig water works as a detox drink. Fig is known as a superfood, it has many properties, which promote health. This dry fruit is considered very beneficial for the stomach. Many nutrients like magnesium, copper, potassium, phosphorus are found in it. Drinking fig water also has many health benefits. Yes, drinking fig water on an empty stomach in the morning relieves many problems of the body. So let us know about its countless benefits. Keeps the digestive system healthy - Fig water works as a detox drink. It contains plenty of fiber, which keeps the digestive system healthy. Drinking fig water on an empty stomach in the morning makes the process of passing stool easier. Apart from this, this water also promotes intestinal health. Keeps the heart healthy - If you drink fig water every morning on an empty stomach, it promotes heart health. It is a rich source of fiber and potassium. Drinking this removes toxic substances from the body, which will keep you fit. Helpful in weight loss - You can include fig water in your weight loss diet. People who want to control weight should drink this water on an empty stomach in the morning, it will prove to be very beneficial. Your metabolism will be boosted, which will help in weight loss. Beneficial for diabetes patients – Nutrient-rich figs help in normalizing blood sugar levels. It is believed that drinking fig water keeps the glucose level under control in type-2 diabetes. If you want, you can also include figs in smoothie or salad. Controls high BP – Figs are rich in antioxidant properties, which is beneficial for high blood pressure patients. People who have high blood pressure problem should drink fig water daily, which can normalize the blood pressure level.

Pyaaz Ki Kachori: Prepare Jaipur's famous onion kachori at home, everyone will praise you after eating it.

India is known for its diversity. Here every state has its own special kind of food. If we talk about Rajasthani food, then many breakfast options are available in Rajasthan. From morning till evening, you will find Onion Kachori at many places in Jaipur district of Rajasthan. It tastes so delicious, what can I say? People like to eat it with tea. If you have ever been to Jaipur, you must have eaten Onion Kachori. Whoever eats this special Kachori once, will not be able to forget its taste. In such a situation, if you want, you can make it at home very easily. In today's article, we will tell you how to make such onion shortbread, which everyone will praise you after eating. You will not need many things to make this. Ingredients for making Khakha Kachori: 1.5 cups gram flour 2 large onions chopped with leaves 2-3 green chillies finely chopped ginger coriander 1/2 teaspoon celery 1/2 teaspoon asafoetida 1/2 teaspoon salt 1/2 teaspoon red chilli powder 1/2 teaspoon garam masala 1/2 small garlic clove fennel Method First of all, add flour, gram flour, salt and celery in a big bowl. After this, mix all these ingredients well. Now add water at intervals and knead the gram flour. Prepare it and keep it aside for some time. After keeping it for some time, prepare the stuffing. To prepare the stuffing of onion shortbread, when the oil becomes hot, add cumin, fennel and a pinch of asafoetida and fry. After this, add chopped onions to the pan and cook until the onions turn golden. After this, add ginger paste and chopped green chillies to the onion and fry for some more time. After frying it properly, keep it aside to cool. Add green coriander on top. When the stuffing cools down, take a ball and roll it lightly. After this, fill it with onion stuffing and press it from all sides and close it. Finally, bake it until it turns golden. You can serve it with green coriander chutney.

Why does the problem of flatulence occur? These are the most effective ways to get relief from the problem

Flatulence is a very common problem, we all must have faced problems related to it at some time or the other. But do you know why there is problem of flatulence? The problem of flatulence means a hard feeling due to the formation of gas in the stomach. This problem can occur due to many reasons and can affect a person of any age. Consuming some types of home remedies and common medicines can provide relief in the problem of flatulence. However, if you are facing this problem often then it becomes necessary to be careful and consult a properly doctor to diagnose its causes. Let us know what could be the reasons for this and which remedies can help you in this problem? Why does the problem of flatulence occur? A common cause of flatulence is constipation. You may have difficulty in passing stool due to constipation, due to which the problem of flatulence is quite common. Apart from this, you may also face this problem due to excessive consumption of fried foods, digestive disorders and some underlying health problems. Having too much stress can also be a risk factor for you developing this problem. You can get relief from this by using some measures. Practice walking and yoga - Physical activity is helpful for you in maintaining overall health, it also benefits digestive health and can also reduce problems like flatulence. Making a habit of exercises like walking and yoga can help expel excess gas from the stomach and make bowel movements easier. If a person is feeling constipation or swelling in the stomach, walking can provide relief. Increase the amount of fiber. Fiber is considered essential for digestive health, it helps in reducing constipation and bloating. However, it is important to note that things with too much fiber can also cause gas and bloating, so be sure to consume a balanced amount of fiber. Essential fiber for the body can be easily supplied by including some types of fruits and vegetables in the diet. Reduce sodium intake. Excessive intake of sodium is considered a cause of high blood pressure, but do you know that in the body Due to its excess you may also have to face stomach related problems. Excessive consumption of sodium-rich foods can also cause swelling in the stomach and other parts of the body, such as hands and feet. Excess sodium can cause high blood pressure.

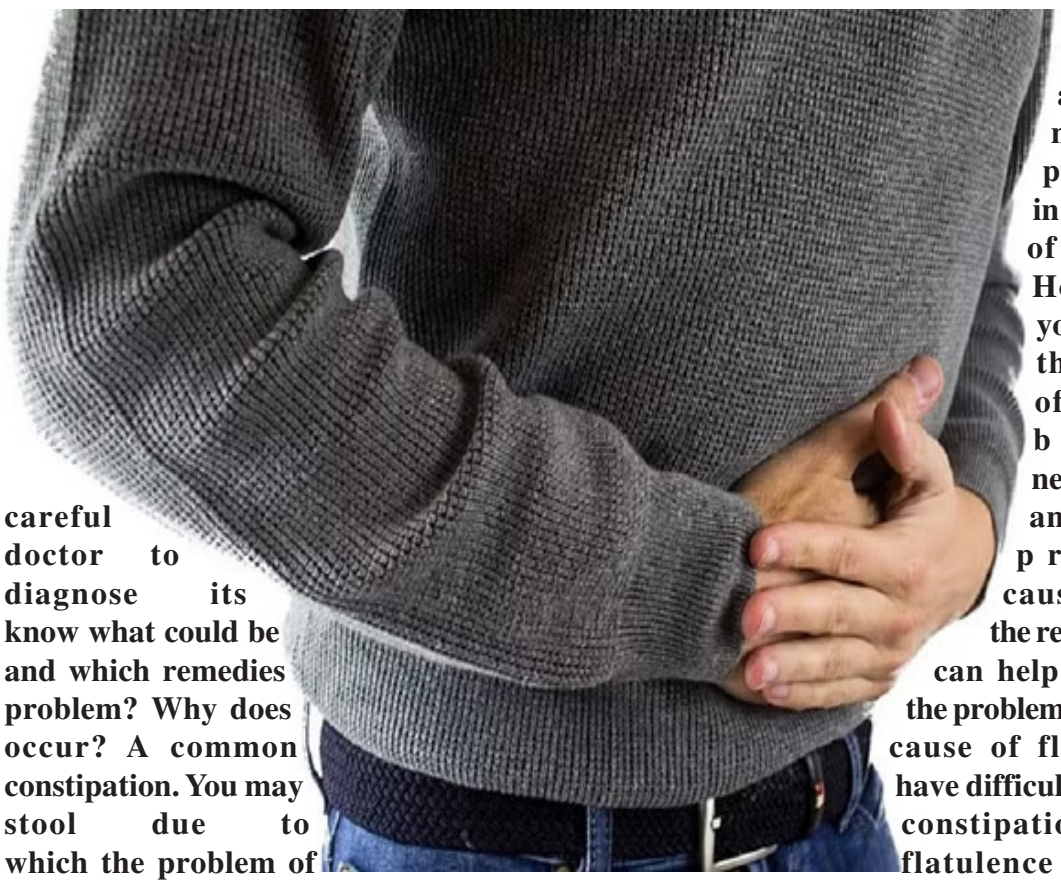

India's unique Shiva temple disappears from sight twice a day

There are many ancient Shiva temples in India which have many beliefs associated with them. There is a unique Shiva temple in Gujarat in this category of temples. This temple is near Somnath temple of Gujarat. It is said that this unique Shiva temple disappears from sight twice a day. It is also believed that the Jalabhishek of the Shiva temple situated near the sea happens automatically. The name of the temple is Stambheshwar Mahadev Temple. One of the oldest temples of Gujarat, Stambheshwar Mahadev Temple was built around the 7th century. It was built by Chavadi saints. Later this temple was rebuilt by Shri Shankaracharya. In this temple, the idol of Lord Mahadev is installed in the sanctum sanctorum of the temple. Near the temple is the Trilochan Garh Fort, which was built to protect the Somnath Jyotirlinga. This fort is a major tourist destination of Saurashtra, Gujarat. Let us know the interesting things related to the unique Stambheshwar Mahadev Temple of Gujarat and how one can reach here. Where is Stambheshwar Mahadev Temple located? Stambheshwar Mahadev Temple, one of the most unique temples of India, is located in Jambusar, about 175 km away from Gandhinagar, the capital of Gujarat. Kavi is situated in Kamboi village. It is about 15 km from the ancient Somnath temple. In such a situation, if you are going to visit Somnath Temple, then you can also visit Stambheshwar Mahadev Temple. How to reach Stambheshwar Mahadev Temple: To reach Stambheshwar Mahadev Temple, travelers can reach big cities like Dwarka, Porbandar and Dive by train or flight. . Transport facilities for Stambheshwar Mahadev will be available from here. Bus or train services are also available from Ahmedabad or Vadodara to visit Stambheshwar Mahadev Temple. First reach Somnath, from where bus or auto rickshaw is easily available for Stambheshwar Mahadev Temple. There is also parking facility near the temple. In such a situation, you can also go by private vehicle. According to the belief related to the temple, according to Shivpuran, pleased with the penance of a demon named Tadkasur, Lord Shiva gave him a boon that no one except Shiva's son would be able to kill him. The son should be 6 days old. After receiving the boon, Tarakasura's terror increased. Six-day-old Kartikeya was born from the White Mountain pond to kill Tarakasura. He killed the demon but Lord Shiva became saddened by the death of the devotee. On this, for the purpose of atonement, Kartikeya established Shivalinga at the place where he had killed the demon. This place was named Stambheshwar Mahadev Temple. Why does Stambheshwar Mahadev Temple sink into the sea? This temple is surrounded by the Arabian Sea and the Gulf of Khambhat. Tide and ebb occur twice on the sea shore. During this time, water comes inside the temple and returns after anointing the Shivalinga. This is also the reason behind the temple sinking into the sea. It is also believed that this unique Shiva temple disappears from sight for a moment in the morning and evening.

'Tiger Nageshwar Rao' is coming to clash with 'Ganpat', Nupur's interesting answer on the competition with sister

Nupur Sanon, younger sister of actress Kriti Sanon, is entering the South Industry through the film 'Tiger Nageswara Rao'. Nupur Sanon is very excited about this film because she is making her debut with a big film. This film of Nupur Sanon is being released on 20 October 2023, the same day as Kriti Sanon's film 'Ganpat'. During the trailer launch of the film 'Tiger Nageswara Rao' in Mumbai, when Nupur Sanon was asked a question about the clash of her film with the film 'Ganpat', Nupur Sanon gave a very interesting answer.Actress Nupur Sanon in the film 'Tiger Nageswara Rao' Looked very excited during the trailer launch. She said, 'I consider myself very lucky that I got a chance to work in such a big film and with veteran actors of Indian cinema like Ravi Teja sir and Anupam Kher. Not everyone gets such a big opportunity to work with such big stars at the beginning of their career.' Regarding her experience during the shooting of the film, Nupur Sanon says, 'During the shooting of this film, Ravi Teja sir worked very hard with me. Especially while speaking dialogues during shooting. When I heard him speaking in Hindi for the first time, I was shocked to hear his pronunciation in such pure Hindi. Artists working in Hindi cinema do not speak that pure Hindi. He used to explain the dialogues to me by speaking in Hindi. The film 'Tiger Nageshwar Rao' is going to be released on 20th October. When Ravi Teja was asked about the clash with Tiger Shroff's film 'Ganpat', Ravi Teja replied very politely and said, what are you asking brother, about both the sisters...? These two are sisters, both films should do well. Taking Ravi Teja's point forward, Nupur Sanon said, 'The happiness of both the films will be celebrated in the same house.' Let us tell you that Tiger Shroff's film 'Ganpat' is an action film, directed by Vikas Bahl. This film will also be released in Hindi, Tamil, Telugu, Malayalam and Kannada. The film 'Tiger Nageswara Rao' directed by Vamsi is an action-thriller. The film is the story of Tiger Nageswara Rao, a notorious thief of the 1970s.

Anushka Sharma: Amidst the news of pregnancy, Anushka Sharma posted on social media, said this

Anushka Sharma Pregnancy Actress Anushka Sharma is in the news these days about her second pregnancy. According to media reports, the actress is going to become a mother soon. However, till now no statement has come from Anushka or her husband Virat Kohli. Meanwhile, the actress has shared a cryptic post on social media. See his post. Anushka Sharma posted amid pregnancy rumours. Is Anushka Sharma going to become a mother for the second time? - Anushka Sharma gave birth to a daughter two years ago. People are waiting for the return of famous Hindi cinema actress Anushka Sharma on the big screen. are doing. Meanwhile, the actress has come into discussion not about the upcoming film 'Chakda Express', but about her pregnancy. There are reports that she is going to become a mother for the second time. Anushka Sharma gave birth to a daughter two years ago. The name of his beloved is Vamika Kohli. For the past few days, news has been in the headlines that the 35 year old actress is going to welcome her second child. Amidst the news of pregnancy, Anushka has made a post on social media. Amidst the pregnancy rumours, Anushka Sharma made this post - Anushka Sharma is very active on social media. Be it praising husband Virat Kohli or spending quality time with daughter Vamika Kohli, Anushka keeps sharing glimpses of almost every moment with fans. Recently, the actress has made a post on Instagram Story, which people are linking to the actress's silence on her pregnancy. Actually, Anushka Sharma has reshared a post of Highest Dimension on her Instagram Story. It reads, "When you understand that every vision is filled with personal history, you will understand that all judgment is a confession." Is Anushka Sharma in the second trimester?- The news of Anushka Sharma's pregnancy spread like wildfire in the media when the actress was spotted outside a maternity clinic. According to the report of Hindustan Times, the actress is in her second trimester and she may announce it soon. Not only this, Virat Kohli left Cricket World Cup 2023 from Guwahati and returned to Mumbai in emergency. It is believed that due to Anushka's pregnancy, Virat had to return to Mumbai. Well, till now neither Virat nor Anushka has made its official announcement nor denied these rumours.

Shweta Tiwari Birthday: Shweta Tiwari looks 23 even at the age of 43, these photos set social media on fire

Looking at the pictures of Shweta Tiwari, it becomes difficult to guess her age correctly. At the age of 43, Shweta looks very beautiful and fit, surpassing even today's young actresses. Shweta often shares her hot and bold photos on social media which go viral. Famous TV star and winner of Bigg Boss Season 4, Shweta Tiwari is celebrating her 43rd birthday today. Shweta, who is known in every household from Star Plus's famous TV show Kasauti Zindagi Ki, entered the small screen in 1999 with a serial named Kaleerein. Shweta played the character of Prerna in the TV show Kasauti Zindagi Ki, which was liked very much by the has also been the winner of the Bigg Boss famous TV show ago, Shweta Tiwari's daughter Palak Tiwari made her Bollywood debut. Palak entered the world in the song Bijli-Bijli with famous singer Hardy became Sandhu. This song the very popular among worked people. This year, Palak also the film with Bollywood's Dabangg Salman Khan in is the 'Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan'. Shweta Tiwari but mother of two children. Apart from Palak Tiwari, Shweta also has a son, everyone fails to guess his age correctly by looking at his pictures. At the age of 43, Shweta looks very beautiful and fit, surpassing even today's young actresses. Shweta often shares her hot and bold photos on social media, which also go viral. Some of these pictures are such that they created a stir on the internet. Let us show you these viral pictures of Shweta Tiwari.

Sai Pallavi will be seen with Ranbir Kapoor in Nitesh Tiwari's 'Ramayana', shooting of the film will start on this day.

Ranbir Kapoor is currently in the news for his much awaited film 'Animal'. Recently, the explosive teaser of the film has been released, which was very much liked by the audience. Now new information has come out about his next film. After the release of 'Animal', he will start shooting for his next film 'Ramayana'. Actually, Ranbir Kapoor's next film is Nitesh Tiwari's 'Ramayana', which will be the first installment of this franchise. He is reportedly going to start shooting for his next film soon after the release of 'Animal'. It is being said that the film's lead actress Sai Pallavi will also start shooting with Ranbir early next year. Reports claim that Yash will join the shooting from July. According to reports, Nitish Tiwari and the team are actively working on creating the world of 'Ramayana' and finally the blueprint is ready. The VFX plates are created by Oscar-winning company, DNEG, and it's a world that will blow audiences away. However, the strength of Ramayana will not be the visuals, but the simple storytelling and compelling inter- character emotions. Reports claimed that Ranbir and Sai will start shooting for the film around February 2024. The first part will focus more on Lord Ram and Sita, leading to the conflict of Sita Haran. The pair will shoot the film from February to August 2024 before the shooting of 'Ramayana: Part One' wraps up. Yash, meanwhile, has an extended role in 'Ramayana: Part One'. However, his character will be seen in the more part, which is set in Sri Lanka. He has taken out 15 days for the shooting of 'Ramayana: Part One'. Ranbir Kapoor will play the role of 'Ram' and Sai Pallavi will play the role of 'Sita' in the film. Yash will play the character of 'Raavan'. All three actors have reportedly completed their look tests for the film. The film is produced by Madhu Mantena and will be directed by Nitish Tiwari.